# HRA का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 24, 1979 ( चैत्र 3, 1901) No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 24, 1979 (CHAITRA 3, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—वण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा०-II---ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग एतद्द्वारा के०स०से० संवर्ग के स्थायी ग्रनुभाग ग्रधिकारी श्री एम० एम० छाबड़ा को 1-3-79 से 31-5-79 तक की ग्रविध के लिए या ग्रागामी ग्रादेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ विश्लेषक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री एम० एस० छाबड़ा, वरिष्ठ विक्लेषक, संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे ग्रौर उनका वेतन वित्त मंत्रालय के समय समय पर यथासंगोधित का०ज्ञा० एफ० 10(24)—व्यय-III/60 दिनांक 4—5—61 में उल्लिखित उपबन्धों के ग्रनुसार विनियमित होगा।

व० न० सोम, उप सचिव कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० ए० 12016/1/78-प्रशा॰ II-सिवन, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा स्थायी स्वागती तथा स्थानापन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एस० एल० चोपड़ा को स्वागत ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिए 2-3-79 से 31-5-79 तक की ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेश तक, जो भी पहले 1-516GI/78

हो, नियुक्त करते हैं।

ब० न० सोम, उप सचिव कृते सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 फरवरी 1979
सं० ए० 32014/1/79-प्रणा० III--संघ लोक सेवा ग्रायोग
में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के निम्निलिखित स्थायी सहायकों को
राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने दर्शायी गई ग्रवधि ग्रथवा ग्रागामी
ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, ग्रनुभाग ग्रिधकारी ग्रेड में, तदर्थ
ग्राधार पर, कार्य करने के लिये नियक्त किया जाता है।

ऋ० सं०	नाम	म्रवधि जिसके लिये नियुक्त किया गया है
1.	श्री बी० ग्रार० बसरा	2-2-79 से 31-3-79 तक की ग्रवधि के लिये।
	श्री एन० एम० एल० भटनागर	5-2-79 से 31-3-79 तक की ग्रवधि के लिये।
3.	श्री के० पी० एय्यर	17-2-79 से 28-2-79 तक की ग्रवधि के लिये।
4.	श्री एम० एन० ग्ररोड़ा	5-2-79 से 22-3-79 तक की ग्रवधि के लिये।
5.	श्री ग्रार० पी० शर्मा	5-2-79 से 22-3-79 तक की ग्रवधि के लिये।

(2273)

#### दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग ग्रिधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने दर्शायी गई ग्रविध ग्रथवा श्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क ग्रिधिकारी के पद पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

ऋ० सं०	नाम	ग्रवधि जिस के लिय डेस्क ग्रंधि- कारी नियुक्य किय गया	
1.	श्री जी० पी० सक्सेना	15-2-1979 से 29-2-1980	
2.	श्री ग्रार० एन० खुराना	1-3-1979 से 29-2-1980	
3.	श्री बी० एस० कपूर	1-3-1979 से 29-2-1980	ग्रवर मचिव के पद पर 18-4-79
4.	श्री जे० पी० गीयल	1-3-1979 से ' 29-2-1980	तक कार्यरत
5.	श्री एम० श्रीनिवासन	1-3-1979 से 29-2-1980	
6.	श्री डी० पी० राय	1-3-179 社 29-2-1980	

2. कामिक तथा प्रणामितक सुधार विभाग के का०ज्ञा०सं० 12/1/74—सी०एम० (I) दिनांक 11-12-75 के अनुसरण में ऊपर दर्शीये गये अधिकारी, जिस अविध के लिये वे डेस्क अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं, अपने अनुभाग अधिकारी के वेतन के अलावा रु० 75/- प्रति माह विशेष वेतन लेंगे।

एस० बालाचन्द्रन, श्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

#### गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

सं० ग्रो०दो० 1083/78—स्थापना—-राष्ट्रपति ने कनिष्ट चिकित्सा ग्रधिकारी (जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-II) डाक्टर

वी० श्रीनिवासा राव, बेम हासिपटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल हैं हैदराबाद, का त्यागपव दिनांक 27 नवम्बर, 1978 ग्रपराह्न में स्वीकृत कर लिया।

#### दिनांक 1 मार्च 1979

सं श्रो०दो०-1431/79-स्थापना--राष्ट्रपति मेजर सेवा सिंह (ग्रवकाण प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिम वल में सहायक कमान्डेन्ट के पद पर ग्रागामी ग्रादेण जारी होने तक पुनर्निधृक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2. मेजर सेवा सिंह ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की ए० डब्ल्यू० एस० न० दो, रामपुर में दिनांक 1/2/79 के पूर्वाह्म से सहायक कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार संभाला ।

### दिनांक 2 मार्च 1979

सं० म्रो०दो०-1335/76-स्थापना-मेजर जगसीर मिंह ने पुनर्नियुक्ति की म्रवधि समाप्ति पर उप-पुलिस म्रधीक्षक म्रो० सी०, ए०डब्ल्यू०एस०-2, के०रि०पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 18-2-1979 (म्रपराह्म) को त्याग दिया।

#### दिनांक 5 मार्च 1979

स्० ग्रो०दो०-760/70-स्थापना--राष्ट्रपति, डाक्टर (श्रीमती) वर्था डी०सूजा, जी०डी०ग्रो० ग्रेड-II (डी०एस०पी०/कम्पनी कमान्डर) को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप 16 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी०डी०ग्रो० ग्रेड-I (सहायक कमान्डेन्ट) के पद पर ग्रस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

(का० एवं प्र० सु० विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० के०-8/65-प्रशासन-5--श्री कॅलाश नारायण, वरिष्ठ लोक-प्रभियोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना का दिनांक 17 फरवरी, 1979 को स्वर्गवास हो गया।

> रिपुदमन सिंह, प्रशासनिक ग्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय स्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० ई०-38013/3/2/78-कार्मिक-स्थानान्तरण होने पर, श्री एन० एल० गुप्ता ने 18 जनवरी, 1979 के ग्रपराह्न से के०स्रो०सु०व०, पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय, कलकत्ता के महायक कमाडेट (कु०प्र०स्र०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013/3/2/78-कार्मिक--गोवा में स्थानातरित होने पर, श्री बीठ ए० देवाया ने 31 जनवरी, 1979 के श्र9राह्म में के०ग्रीक्सुठबठ, पूर्वी क्षेत्र सुख्यालय, कलकत्ता के सहायक कमांडेट (कठप्रज्यठ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

# दिनांक 27 फरवरी 1979

मं० ई०-38013/3/1/78-कार्मिक--हिन्दिया से स्थानांत-रित होने पर श्री आर० के० दीक्षित ने दिनांक 5 फरवरी, 1979 के पूर्वीह्न से के०ग्रो०गु०व० यृनिट, वी०मी०गीलाल० झरिया के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

> (ह०) ऋषठनीय महानिर्राक्षक/के०स्रो०स्०ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011 दिनांक 3 मार्च 1979

स० 10/12/78-प्रणा०-I---इस कार्यालय की तारीख 13 मिनम्बर, 1978 की समसंख्यक ग्रिध्यूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कंमीन ग्रापरेटर, श्रा श्रार०एल० पुरी की उमी कार्यालय में सहायक निदेणक (प्रोग्राम) के पद पर नियुक्ति को 1 मार्च, 1979 में 30 ज्त, 1979 तक चार मास की और श्रविध के लिए या श्रमले ग्रादेणों तक जो भी पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थायी तीर श्रीर तद्दर्भ ग्राधार पर सहर्ष बढ़ते हैं। श्री पुरी का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति श्री पुरी को सहायक निर्देशक (प्रोग्राम) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तबर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी । नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रह किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मन्त्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

वैक नोट मृद्रणालय

देवास (म०प्र०), दिनांक 27 फरवरी 1979

मं० वी०एन०भे०/मी०/5/79-श्री डी० आर०मान मिह, स्थाई किनण्ट पर्यवेक्षक (मैकेनिकल) को बैक नोट मुद्रणालय, देवाम में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०गे०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक अभियन्ता (मेकेनिकल) के पद पर दिनांक 27-2-1979 (पूर्वाह्न) में नियमित रूप में अन्य श्रादेशों तक पदोन्नत किया जाता है।

ी० एग० णिवराम, महाप्रबन्धक भारतीय लेखा परीजा तथा लेखा विभाग महालेखाकार कार्यालयः कन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

स० प्रणासन-I/कार्यालय ब्रादेण संख्या 570/5-5/पदोन्नित/ 78-79/2441--एस कार्यालय के स्थायी लेखा ब्रिधिकारी श्री पी० ब्रार० पी० पाणिकर, श्रीधवार्षिकी ब्रायु प्राप्त करने पर भारत सरकार की सेवा से 28 परवरी, 1979 श्रपराह्न से सेवा-निथ्न होंगे। उनकी जन्म तिथि 1-3-1921 है।

सं ० प्रणासन/कार्यालय आदेण—571/5—5/पदोल्लित/78--79/2443--एस कार्यालय के एक स्थान पत्न लेखा अधिकारी श्री एस० एल० मलहीता, भारत सरकार, गृह मंत्रालय के तारीख 26-8-77 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-स्थापना (क) के अनुसार 20 वर्ष की अहंक सेवा पूरी कर लेने पर 28 फरवरी. 1979 के अपराह्न से भारत सरकार की सेवा से निवृत हो जायेंगे।

 श्री मल्होता 25-4-1949 को सरकारी सेवा में श्राए थे और उनके जन्म की तारीख 5-10-1928 है।

दिन'क 7 मार्च 1979

सं० प्रणा०-1/का०प्रा० 599/5-5/पदोन्नति/78-79/2538--महालेखाकार के आगे के आदेशों तक इस कार्यालय के तिस्तोका प्रतुभाग प्रधिकारी को 27 फरवरी, 1979 प्रपराह्म से २० 840-1200 के समय वेतनमान में लेखाधिकारी के रूप में स्थानापन्न करने के लिए नियुक्त किया है।

ऋ०सं०

नाम

1. श्री हिम्मतजीत मिह

कौ० टि० छाया व॰ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा (डाक) कपूरथना, दिनांक 21 फरवरी 1979

श्रादेश सख्या-प्रशासन/ए--6/श्रनुशासनात्मक/केवल सिंह/ 698--श्री केवल सिंह् सुपुत श्री स्वर्ण चन्द जो इस कार्यालय में छटाईकार के पद पर था 31-7-78 श्रनिधकृत गैरहाजरी पर था तथा इस कार्यालय द्वारा भेजे गए श्रापन जो कि उसके दिए हुए पतां पर भेजे गए थे, में से किसी को भी प्राप्ति स्वीकृति उसने नहीं दी। विभागीय नियमों के श्रधीन श्रनुशासनात्मक कार्यवाही करने के उपरान्त उसे 20-12-1978 पूर्वाल्ल से नौकरी से निकाल दिये जाने का निर्णय किया गया था और नौकरी से निकाल जाने का श्रादेश उसके दिये हुये पतों पर भेजा गया था। चूंकि वह रजिस्टर्ड लिफाफे जिस में उकत कर्मचारी के नौकरी से निकाल जाने का श्रादेश था श्रीर जो उसके दिए हुये पतों पर भेजा गया था, विना विन्रण के वापिस श्रा गया है इस लिये यह श्रधिसूचित किया जाता है कि श्री केवल सिंह् छटाईकार सुपुत्र श्री स्वर्ण चन्द को 20-12-1978 पूर्वाल्ल से नौकरी से हटाया गया है।

> कृष्ण चन्द्र पञ्जी; लेखा अधिकारी

# महालेखाकार महाराष्ट्र-। का कार्यालय

# बम्बई 400020, दिनांक 6 फरवरी 1979

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ने श्री जें ० एल० जिसोसा, लेखा श्रधिकारी को भारत के नियंत्रक श्रौर महालेखा- परीक्षक, नई दिल्ली ने उनके पत्र सं० 239-जी०ई० 11/99-78 दिनांक 25-1-79 में सूचिन किया गयी शर्ती के श्रनुसार माझगांव गोधी लिमिटेड में दिनांक 1-10-78 से स्थायी रूप ने समा लेने को मंजूरी दी है।

रजनी कु० कुट्टी, वरिष्ठ उपमहालेखाकार, प्रशासन

#### रक्षा लेखा विभाग

# कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

#### नई दिल्ली-22, दिनांक 2 मार्च 1979

सं० 18132/प्रशार - II/पी०मी०/78--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेवा के निम्नलिखिन श्रधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशामनिक ग्रेड (१० 2250-125/2-2500) के स्तर II में उन के नाम के मामने दर्शाई गई तारीख से, मूल पदधारी के रूप में, सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

क्रम श्रधिकारीकानाम सं०	नियुक्ति की तारीख
1. श्री एस० के० सुन्दरम	1-1-1977
<ol> <li>श्री के० ग्ररवामुदन</li> </ol>	2-2-1977
3. श्री के० पदनाभन	1-12-1977
4. श्रीपी ०सी० थामस	1-5-1978
<ol> <li>श्री एस० स्वामीनाथन</li> </ol>	12-5-1978
<ol> <li>श्री पी० के० रामनुजम</li> </ol>	1-11-1978
7. श्री श्रार० एल० बख्णी	1-11-1978

श्रार० एल० वर्ष्मी रक्षा लेखा श्रवर महानियंत्रक (प्रणासन) रक्षा मंत्रालय

महानिदेणालयः, ग्रार्डनेन्स फॅस्टरियां, भारतीय ग्रार्डनेन्स फॅस्टरियां सेवा

#### शुद्धि-पत्र

कलकत्ता, दिनांक 28 फरवरी 1979

सं० 8/जी/79—-गजट श्रिधिसूचना संख्या 44/74-जी, दिनांक 21-10--1974 में कम संख्या 1 के सामने की प्रविष्टि के स्जान पर, नीचे लिखे श्रनुसार दर्ज किया जाए:—

1 श्री पी० डी० जोगी, स्थायी प्रबन्धक, 8 जुलाई, 1974

निकटतम नीचे के नियम के अन्तर्गत वी० के० मेहना, सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

#### उद्योग मंत्रालय

#### भ्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास श्रायुक्त (लवु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 फरवरी 1979 मं० ए०-19018/347/78-प्रशासन (राजपिवत)---राष्ट्रपति जी, श्री रिव कपूर को दिनांक 1 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्म) में प्रगले श्रादेश तक के लिए लयु उद्योग सेवा मंस्थान, नागपुर में उप निदेशक (धातुकर्म) के रूप में स्थानापन्न श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 27 फरवरी 1979

सं० 12/158/6-प्रशासन (राजपितन)—न्तव उद्योग सेवा संस्थान, ग्रहमदाबाद के उप निदेशक (धातुकर्म) श्री एच० पी० ग्रीड़ को राष्ट्रपित जी दिनांक 5 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से तदर्थ ग्राधार पर लवु उद्योग विकास पंगठन में निदेशक (वर्ग-ा) (धातुकर्म) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्य क्य श्री ए न० पी० गौड़ ने दिनांक 23 जनवरी, 1979 (अपराह्म) में लबु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में उप निदेशक (श्रानुकर्म के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 5 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्म) में क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकता में निदेशक, वर्ग-II (श्रातुकर्म) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

महेन्द्र पाल गुप्त, उप-निदेशक (प्रशासन)

विज्ञान और प्रोचोगिकी विभाग भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण निदेशक का कार्यालय

हावड़ा-711103, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

सं० बी० एस० ग्राई०-66-111-78-स्था०--मंघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफ।रिश पर निदेशक, भारतीय बनस्पति सर्वेक्षण श्री कृष्ण मूर्ति, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, उत्तरी क्षेत्र, भारतीय वृत्स्पित सर्वेक्षण को वनस्पितक (वर्ग "ख") के पद पर भारतीय वर्नस्पित सर्वेक्षण के केन्द्रीय कार्यालय में दिनांक 14-8-78 (पूर्वाह्न) से लेकर श्रगला श्रादेण न मिलने तक ६० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान पर गामान्य भत्तों सहित जो कि नियमान्तुसार प्राप्य हों, नियुक्त करते हैं।

श्रार० एन० हानदर प्रशासकीय श्रधिकारी

## ग्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1979

मं० 2/31/60-एम-दो---ग्राक्षाणवाणी महानिवेशक श्री एस० डी० गुप्त, प्रणामनिक ग्रधिकारी, एच०पी०टी० खामपुर का 15 जनवरी, 1979 (पूर्वाह्म) से श्राकाणवाणी नई दिली में विरिष्ठ प्रणासनिक ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्त, वरिष्ठ प्रमासनिक श्रधिकारी, श्राकाणवाणी, नई दिल्ली श्रधिवार्षिकी की श्रायु प्राप्त करने पर 30 जनवरी, 1979 में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एस० बी० सेपादी प्रशासन उप निदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1979

मं० 6(63)/62-एस०-1--श्री वी० ए० कुरियन, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, कालीकट सेवानिवृत्ति की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31 जनवरी, 1979 श्रपराह्म को सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

मं० 5(6367/) -एम०-1---महानिदेशका, श्राकाशवाणी, एनद्द्वारा श्री एम० एन० झा, प्रमारण निष्पादका, श्राकाशवाणी, दरमंगा को उसी केन्द्र में 7 फरवरी, 1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

हरि दत्त खेड़ा प्रशामन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 फरवरी 1979

सं० ए०-19012/33/76-एम०-2-श्री पी० के० गुक्ला, सहायक अभियन्ता दूरदर्शन केन्द्र, रायपुर का त्यागपत्र महानिदेशक दूरदर्शन महानिदेशालय 17 फरवरी, 1979 (अपराह्म) से एतद्दारा स्वीकार करते हैं।

सी एलं॰ श्रायं, उप निदेशक प्रशासन ... कृते महानिदेशक

## सूचना भौर प्रसारण मंत्रालय

# विज्ञापन भौर दुश्य प्रचार निदेणालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० ए०-19012/1/78-प्र० (ए)--विज्ञापन श्रीर दृष्य प्रचार निदेशक श्री स्वर्ण सिंह मोती, को इस निदेशालय में 15-12-79 (अपराह्म) से अगले श्रादेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 5 मार्च 1979

मं० ए०-31014/1/74-स्था०-II---विज्ञापन और दृण्य प्रचार निदेशक श्री एच० ग्राई० कटहर, को इस निदेशालय में 5-12-78 में क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रीधकारी के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

श्रार० देवामर उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन और वृष्य प्रचार निदेशक

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदंशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

मं० ए० 12034/13/78-डी०--स्वास्थ्य मेवा महानिदेशा-लय ने उप श्रीयधि नियंत्रक (भारत)पूर्वी क्षेत्र, कलकला के कार्यालय के श्रीयधि निरीक्षक श्री कृष्णाराव की 9 फरवरी, 1979 श्रपराह्म से उक्त पद के कार्य भार मे मुक्त कर दिया है ताकि वह पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली के श्रधीन रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली के श्रधीन रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली के श्रधीन रसायन तथा उर्वरक के स्वायक के श्रधीन रसायन तथा उर्वरक विभाग में महायक कि श्रम विभाग से पदायक विभाग स्वायक विभाग से पदायक विभाग से पदा

#### दिनांक 5 मार्च 1979

सं० ए० 12026/8/78-औषध — स्वास्थ्य सेवा महानिदेणा-लय ने श्री बी० के० बन्द्योनाध्याय को 17 फरवरी, 1979 के अनराह्म से आगामी आदेणों तक केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण विशाखानतनम् में तकतीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> धार० वालमु, ब्रह्मण्यिन उप ओषध नियंत्रक कृते स्वास्थ्य संवा महानिदेणक

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० ए० 19019/4/79-सी०जी०एच०एस०-I---भ्रपनी बदली हो जाने पर डा० एच० सी० बंसल ने 3 फरवरी, 1979 के भ्रपराह्म को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर से होम्यो-पैथिक फिजिशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 5 फरवरी,

1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में उसी पर का कार्यभार संभाज लिया है।

> एन० एन० घोष, उप निदेशक प्रशासन (सी०जी० एच० एस०,

#### नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1979

मं० ए० 12025/34/76-(ए० ग्राई०ग्राई०एच०पी० एच०) प्रणासन-I--राष्ट्रपति ने कालेज श्राफ निमम की लेकचरर श्रीमती कल्याणी विण्वास को 3 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म से श्रामामी ग्रादेणों तक श्रीखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जनस्वास्थ्य मंस्थान, कलकता में मिडवाइफरी निमम के महायक प्रोफेसर के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/8/79-(एन०एन०ई०पी०)/प्रणा० 1-राष्ट्रपति ने श्री एस० ग्रार० शर्मा, श्रनुसंधान श्रधिकारी, स्वास्थ्य
एवं परिवार कत्याणी विभाग, को 29 जनवरी, 1979 की पूर्वाह्र
से श्रागामी श्रादेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम
निदेशालय में उप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) (ग्रुप "ए") के
पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय मलेरिया जन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय, दिल्ली में जप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद पर श्री एस० ग्रार० शर्मा की नियुक्ति हो जाने के परिणामस्यरूप श्री शान्ति सरूप ने 29 जनवरी, 1979 की पूर्वाह्म से राष्ट्रीय मलेरिया जन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय में जब सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

भाम लाल कुठियाला उप निदेणक प्रशासन (म०एवं० प०)

# कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1979

मि० सं० 5(8)/78-स्था० (1)--श्री जी० डी० गुलाटी, विस्तार निदेशालय, कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में स्थानापन्न ब्रधीक्षक (कोटि प्रथम) समूह 'बी' (राजपितत) सेवा निवृत्ति की ब्रायु के होने पर 28 फरवरी, 1979 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

बद्री नाथ चङ्ढा निदेशक प्रशासन (ग्राम निकास विभाग)
विषणन एवं निरीक्षण निदेणालय
फरीदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1979

सं० ए० 19025/3/79-प्रा०-III-संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सीतल चन्द्र सरकार को इस निदेशालय में गन्दूर में विनांक 8-2-79 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानायन रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार निवेशक, प्रशासन इते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

# फरीदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० ए० 31014/1/78-प्र० 1--कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार श्री सत्य मूर्ति को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 18-6-67 से सहायक विषणन ग्रिधिकारी (वर्ग III) के स्थाई पद पर मूलतः नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 31014/7/78-प्र० 1—कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार श्री टी० सभनानी को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 25—11—78 से विपणन विकास ग्रधिकारी (शीतागर प्रशीतन) के स्थाई पद पर मृलतः नियुक्त करते हैं।

बी॰ एल॰ मनिहार निदेशक, प्रणासन

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० जी/1040/स्थापना II/286—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इसके द्वारा श्री नारायणस्वामी गोकरनेसन, मध्य रेलवे के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी को, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, 1 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से, सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० 5/1/79-स्थापना II/579---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के श्रागे लिखी श्रवधि के लिए, तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

<b>第0</b>	नाम तथा	स्थानापन्न	<b>9</b> 1	वधि
सं०	पद	नियु विस	<del>स</del>	तक
(1)	(2)	(3)	(पूर्वाह्न) (4)	(ग्रपराह्म) (5)
<ol> <li>श्री एफ० डी० सूजा सहायक लेखा-पाल</li> </ol>		सहायक लेखा ग्रधिकारी	1-8-78	30-1-79

$\binom{r}{1}$ (2)	(3)	(4)	(5)
<ol> <li>श्री टी० के० रामम्ति सहायक लेखा- पाल</li> </ol>	महायक लेखा ग्रिधिकारी	9-10-78	10-11-78
<ol> <li>श्रीमती एम० पी० मेहरजी सहायक लेखा- पाल</li> </ol>	सहायक्ष लेखा ग्रिधकारी	2-9-78 (भ्रगराह्स)	31-1-79
<ol> <li>श्रीमती एम० गिडवानी महायक लेखा- पाल</li> </ol>	सहायक लेखा श्रधिकारी	23-8-78 (पूर्वाह्न)	30-12-78

#### दिनांक 7 फरवरी 1979

	•	~		
ক৹	नाम नथा	स्थानापन्न	্ম	विध —
सं०	पद 	नियुक्ति	ँ (पूर्वाह्न)	तक (श्रपराह्म)
7 7	गी टी० सी० गार० कुद्टी ग्हायक सुरक्षा ग्रिकारी	<b>मु</b> रक्षा ग्रधिकारी	1-11-78	30-12-78
प्रध स्	ग्नी डी० एन० गन ग्हायक सुरक्षा ग्रधिकारी	मुरक्षा स्रधिकारी	3-12-78	12-1-79

#### दिनांक 17 फरवरी, 1979

मं० 5/1/79—स्थापना II/701— नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र श्री एस० डी० भोंसले, सहायक लेखा श्रधिकारी को 15 नवंबर 1978 में 16 दिसम्बर, 1978 तक तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी II नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव उप स्थापना ग्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग कय श्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० क म नि० /23(4)/77-संस्थापन 6544--इम निदे-शाल्य की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक जुलाई 18, 1978 तारतम्यमं निदेशक कय और भंडार, निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के कथ महायक श्री एस० एन० देशमुख को इसी निदेशालय में महायक कय अधिकारी के पद पर नदर्थ रूप में अक्तूबर 10,1978 (अपराह्म) तक नियुक्त करते हैं।

> न० जी० कुलकर्णी महायक कार्मिक श्रधिकारी

# राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अगुशक्ति-323303 दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० रापविष/भर्ती/3(2)/79/स्थल/242--राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परि-योजना इंजीनियर इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्न-लिखित श्रराजपत्रित तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नामों के मामने विखे गए ग्रेड में उनके मामने दर्णायी गई तारीखों से श्रगले श्रादेण होने तक के लिए इसी परियोजना में श्ररथाई रूप में नियुक्त करते हैं ---

क्र० नाम तथा पद जिस पर नियुक्त हुये हैं। कार्यभार संभालने सं० पदनाम की तारीख

- श्री ग्रगोक कुमार वैज्ञानिक ग्रिधकारी/इंजीनियर 1-8-78 गर्मा, ग्रेड एस०बी० वैज्ञानिक सहायक 'सी'
   श्री दिलीग कुमार ,, , 1-8-78
- 2. श्री दिलीप कुमार ,, ,, 1–8–78 मिसोदिया, वैज्ञानिक सहा-यक 'सी'

गोपाल सिंह प्रशासन प्रधिकारी (स्था०) इते मुक्य परियोजना इंजीनियर

### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० ए०एम०डी०-1/10/77-प्रणासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के एक श्रस्थायी लेखाकार श्री राम नाथ को 2 नवंबर, 1978 ध्रपराह्न से लेकर 8 दिसम्बर, 1978 के श्रपराह्न तक के लिए पूर्णतः श्रस्थायी रूप से महायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 1 मार्च 1979

मं० प ख प्र-1/10/77-प्रशासन-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, एतद्द्वारा श्री लक्ष्मी-नारायण, सहायक, परमाणु खनिज प्रभाग, को इसी प्रभाग में दिनांक 1-11-78 की पूर्वाह्न से 31-12-78 तक श्री डी० श्रार० तुली, जो कि प्रणासन अधिकारी—II नियुक्त हो गए हैं, के स्थान पर केवल तदर्थ-श्राधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> स० य० गोखले. वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रधिकारी

#### पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत । वज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० ई० (श्राई) 03890—निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर निवेशक का कार्यालय, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई, भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री पी० के० श्रीनिवासन 31–1–79 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुखराम गुप्ता, मौसम विज्ञानी कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# मह्(निदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० ए० 38013/1/78-ई०एस०-केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो के श्री एल० सी० णर्मा, भण्डार प्रधिकारी के निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31-1-1979 (ग्रपराह्म) को श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मुरजीतलाल खाण्डपुर महायक निदेशक प्रशासन इसे महानिदेशक नागर विमानन

# नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० ए० 39013/2/79-ई०ए०---राष्ट्रपति ने बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के श्री कमल कान्त, विमानक्षेत्र प्रधिकारी का दिनांक 6 फरवरी, 1979 (प्रपराह्म) में सरकारी सेवा से त्यागपक्ष स्वीकार कर लिया है।

हरबंस लाल कोहली निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1979

मं० ए० 12025/1/78—ई०सी०——इस विभाग की दिनांक 16-1-79 की ग्रंधिसूचना संख्या ए० 12025/1/78—ई०सी० के कम संख्या 3 के सामने दिए गए इंदराजों का संशोधन करनेँ हुए निस्त प्रकार पढ़ा जाए :

ऋ०सं०	नाम व पदनाम	वैनाती • टेणन	कार्यभार संभालने की तारीख
	ो० एन० वेंकटरमण, धर स्रधिकारी	नियंत्रक संचार. वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	6-12-78 (श्रपराह्न)

सत्य देव शर्मा उप निदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/14/78—ई०ए०—राष्ट्रपति ने श्री टी० अ(र० चन्द्रमौली, सहायक निदेशक (परिचालन) को नागर विमान नन विभाग के विमानमार्ग एवं विमानक्षेत्र संगठन में दिनांक 27 फरवरी, 1979 से श्रीर अन्य आदेश होने तक उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के पद पर नियुक्त किया है।

 श्री चन्द्रमौली को मुख्यालय में उपनिदेशक (प्रशिक्षण एवं अनुज्ञापन) के रूप में तैनात किया जाता है।

#### दिनांक 2 मार्च 1979

सं० ए० 32013/15/78-ई०ए०—राष्ट्रपति ने निस्त-लिखित विमानक्षेत्र ग्रधिकारियों को नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग एवं विमानक्षेत्र संगटन में दिनांक 1 फरवरी, 1979 से श्रौर अन्य ग्रादेण होने तक वरिष्ठ विमानक्षेत्र ग्रधिकारी के पद पर नियुवत किया है।

क्रम सं० नाम तैन	ाती स्टेगन
1. श्री एच० डब्स्यू० ग्रम्बलेर	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र श्रवरौली (इलाहाबाद)
2. श्री कृपा घंकर	क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।
	वी० वी० जौहरी, महायक निदेणक प्रणासन

#### विदेण संचार सेवा

#### बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० 1/315/79/स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एत्रवृद्धारा वस्वई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एम.बी. राव को नियमित ग्राधार पर 12 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशों तक उसी गाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं। ूसं० 1/409/79-स्था०—विदेश संवार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री ग्रार० आर० नालकूर को ग्रल्पकालिक खाली जगह पर 1-12-78 से 30-12-78 (दोनों दिन मिलाकर) तक की प्रविधि के लिए उसी शाखा में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं 1/477/79-स्था०—विदेश मंचार सेवा के महानिदेशक एतद्दारा श्री अरुण जोत मल्होता को 31 जनवरी, 1979 के पूर्वीत से और आगामी आदेशों तक स्विचन समह, बम्बई में अस्थाई रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर निदेशक (प्रशा०) **कृते** महानिदेशक

# बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० 1/242/79—स्था०—कलकता शाखा के सहायकः प्रशासन ग्रधिकारी, श्री एल०के० सेनगुष्त 31 जनवरी, 1979 के अपराह्म निवर्तन पर निवृत हो गए।

एच० एल० मल्होला, उप निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

# वन ग्रनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० 176/201/71—स्थापना—I—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर श्री एल० जी० कुलकर्णी, सहायक शिक्षक, केन्द्रीय वन रिजक महाविद्यालय, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) की सेवाएं दिनांक 16—1—79 के पूर्वाह्य से महाराष्ट्र सरकार को सौंप दी गई है।

गुरदयाल मोहन कुल सचिव, वन ऋनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० 8/79—श्री छेदालाल दुबे निरीक्षक (प्रवरण कोटि) न्द्रीय उत्पाद शुल्क ने ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वतनमान ६० 650-30-740 -35-810-द० रो०-35-880-40-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए—इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं०11/22-स्था०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निगर्त कार्यालय वर्ग 'ख' फरुखावाद के पद का कार्यभार दिनांक 16-1-79 (पूर्वोत्त) ग्रहण किया।

के० एल० रेखी समाहती

#### पटना, दिनांक 1 मार्च 1979

स० 11(7) 2-म्या०/79/2286—वित्त मंबालय के आदेश गंग्या 171/78 तथा 172/78 दिनांक 27-10-78 और 28-10-78 जो कमणः फाइल सं० ए० 22012/20/78-ए० डी० II (बोल III) और ए० 22012/26/78-एडी० II, के हारा निर्गत की गयी है, के अनुसरण में निम्नलिखित सीमा-शुक्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुक्क के अधीक्षक ग्रुप 'क', सहायक समाहर्ता के रूप में निम्न प्रकार कार्यभार ग्रहण किया।

क्रमांक पदाधिकारी का नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1. श्री यू० सी० चटर्जी	सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद धनबाद ।	27-11-78 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० म्राई० हक	सहायक समाहर्ता - केन्द्रीय उत्पाद गया ।	17-11-78 (पूर्वाह्न)
3. श्री एन० के० बोस	सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद मुजफ्फरपुर	8-1-79 (पूर्वाह्न)

डी० के० सरकार समाहर्ता केन्द्रीय<sup>ं</sup> उत्पाद पटना

# इन्दौर, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० 5/79—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के II रेंज उज्जैन में तैनात श्री व्ही० एन० बोगीरवार ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-1-1979 के ग्रपराह्न से सेवामुक्त कर दिये गये हैं।

सं० 6/79—निम्नलिखित निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र०श्रे०) की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पदोन्नित होने पर उन्होंने उनके नाम के सामने दर्शाई <sup>ह</sup>ितिथ से अधिक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद के कार्यभार ग्रहण किये हैं :—

ग्र० सं०	ग्रधिकारी का नाम	नैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1. %	ी ग्रार० एस० रील	ग्रधीक्षक (निवा- रक) के०उ० शुल्क मुख्यालय, इन्दौंर	14-2-79 ग्र <b>पराह्न</b>

1 2	3	4
2. श्री ह्वी० के० खाउेकर	त्रधीक्षक (तक- नीकी)के०उ० णुल्क प्रभाग रतलाम	22-2-79 (पूर्वाह्म)
3. श्री इहीं ० ए० पतको	ग्रधीक्षक <sup>*</sup> (तक- नीकी)के०उ० शुल्क प्रभाग उज्जैन	17-2-79 पूर्वाह्म)
	मनजीत	सिंह बिन्द्रा, समाहर्ता

#### नौवहन भ्रोर परिवहन मंत्रालय

# नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 2 मार्च 1979

सं० II-टी०श्रार०(1)/79--राष्ट्रपति श्री विजय किशोर को 1 जनवरी 1979 (पूर्वाह्म) से श्रागामी धादेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय बम्बई में ग्रस्थाई तौर पर इंजीनियरी श्रीधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 3 मार्च 1979

सं वा II-टी अगर (2)/79-राष्ट्रपति श्री रमेश श्रान्हे ही को तारीख 19 दिसम्बर 1978 (पूर्वाह्न) से प्रगले भादेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय कलकत्ता में श्रम्थायी तौर पर इंजीनियर श्रिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं। ।

के० एस० सिधु, नौवहन उप महानिदेशक

#### केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1979

श्रादेश सं० सी-13012/5/76-सी०एम०एण्ड वी० दिनांक 27-12-78 के श्रनुसरण में श्री श्रार० सी० कथ्यप, श्रातिरिक्त सहायक निदेशक को 27-12-78 की श्रपराह्म से नौकरी से हटा दिया गया है।

जे० के० साहा अवर सचिव केन्द्रीय जल श्रामोग

#### निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1979

सं० 27-ई०/सी०/(34) 77-ई०सी०-2-इम कार्यालय को दिनांक 9 श्रगस्त 1978 को समसंख्यक ग्रिधसूचना का श्रिधि- क्रमण करके श्री एम० चक्रवर्ती (महेश्वर चक्रवर्ती) की वार्धक्य की तारीख कृपया इस ग्राधार पर निम्नलिखित रूप में मानी जाए

9	तक म प्राथाब्ट क 1920 है :	ग्रनुसारश्चा <b>म</b> कट	ासा का जन्माद्भाथ
नाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्ति की तारीख	सेवानिवृत्ति के समय प <b>दना</b> म
श्री एम० चक्रवर्सी (महेश्वर चक्रवर्ती)	1-1-1920	31-12-1977	निर्माण सर्वेक्षक मुख्य इंजीनियर कार्यालय, ध्ररुणाचल प्रदेण लो०नि०वि० न्यू ईटानगर- 791110।

सु० सू० प्रकाश राव, प्रशासन निदेशक कृसे निर्माण महानिदेशक

#### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० 5—श्वी सेवा सिंह भारतीय रेल सेवा यांत्रिक इंजी-नियरिंग के एक अधिकारी दिनांक 14-1-73 अपराह्म से रेल सेवा में अन्तिम रूप से निवृत्त हो गये हैं।

> एस० एन० सचदेव महा प्रजन्धक

# प्रधान कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० 7—उत्तर रेलवे पर रेल सुरक्षा बल सेवा (सुरक्षा विभाग) में दर्जा II के सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री डी० एन० नरुला व्यक्तिक सहायक (मुख्य सुरक्षा अधिकारी) कार्य मुक्त प्रापाती कमीशन अधिकारी को इस रेलवे के उसी विभाग में दर्जा II सेवा में विनाक 16-11-78 से स्थायी कर दिया गया है।

श्रार० एस० राय मुख्य सुरका श्रधिकारी

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी क्षौ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर गुरु रामदास फाईनेन्सियर्स एन्ड चिटफन्ड कम्पनी लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3133---कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर गुरू रामधास फाईनेन्सियसं एण्ड चिटफन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण धरित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उनत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी मधिनियम 1956 स्त्रीर फ्लोरिशिंग हाइर परचेज फाईनेन्स एन्ड चिटफन्ड फाइवेट लिमिटेड

जालंधर, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० जी०/स्टेट/560/2886—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फ्लोरिशिंग हाइर परचेज फाईनेन्स एन्ड चिटफण्ड प्राइवेट लिमिटेड के नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रवेण एवं चण्डीगढ़

कार्यालय श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 26 फरवरी 1979

घोष, स्यानापन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई जिन्हें तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता म सहायक पंजीकार के पद पर भ्राय-कर भ्रपील भ्रधिकरण जयपुर स्यायपीठ जयपूर में तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 16-8-1978 से 15-11-1978 तक स्थानापम रूप से नियुक्त किया गया था, कृपया देखिये इस कार्यालय के विनांक 22-8-1978 की प्रधिसूचना कमांक एफ०48-एडी० (एटी) 78 भाग II श्रीर जिन्हें बाद में उसी क्षमता में तदर्थ श्राघार पर उसी न्यायपीठ में और भगली भवधि भर्थात् दिनांक 16-11-1978 से 28-2-1979 तक स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमित दी गयी थी कृपया देखिए इस कार्यालय के दिनांक 6-11-1978 की ग्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए०डी० (एटी०), 78 भाग II को उसी क्षमता में तदर्थ श्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर भाय-कर अपील ग्रधिकरण, जयपुर न्यायपीठ जयपूर में ग्रौर तीन महीने के लिए ग्रर्थात् दिनांक 1-3-1979 से 31-5-1979 तक या जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती जो भी शीधतर हो स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रवान की जाती है।

जपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर यह श्री ग्रार० के० बोब को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी ग्रीर उनके ग्रारा तदर्थ ग्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के श्रीभन्नाय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी ग्रीर दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्तत किये जाने की पालता ही प्रवान

पी० डी० माथुर ग्राध्यक्ष

# कार्यालय, श्रायकर ग्रायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1979 श्रायकर

फा॰ सं॰ जुरि-दिल्ली-3/78-79/46443— आयकर प्रधि-नियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त ग्रन्य सभी शिवित्यों और इस विषय पर पहले के ग्रादेशों में परिवर्तन करते हुए ग्रायकर आयुक्त दिल्ली-3 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नोवे दी गई अनुसूबों के कालम-2 में निर्देश्ट निरीकीय सहायक आयकर आयुक्त इसी अनुसूबों के कालम-2 में निर्देश्ट डिस्ट्रिक्ट/ सर्कितों में आयकर अधिकारियों के प्रधिकार क्षेत्र के ग्रंतर्गत ग्रामे वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गी, ग्राय या ग्राय के वर्गी या मामलों या मामलों के वर्गी के बारे में उक्त ग्रिधिनयम के ग्रंतर्गत निरीक्षीय साहयक ग्रायकर आयुक्त के समस्त कार्य करेंगे:---

# **ग्रनुसूची**

# रोंज का नाम श्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल

निरीक्षीय सहायक ग्रायकर 1. ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा ग्रायुक्त रेंज-4-डी 125 के ग्रंतर्गत ग्राई० ए० नई दिल्ली। सी० को पहले ही सौपे गए, इस प्रभार के डिस्ट्रिकट ग्रीर सर्किलों के मामले।
 2 डिस्ट्रिक्ट-11(1) ग्रौर 11(2)।
 3. स्पेशल सर्किल-14 नई

दिल्ली ।

 निरीक्षीय सहायक श्राय-कर श्रायुक्त रेंज-4-ई, नई दिल्ली। डिस्ट्रिक्ट 5(11), 5(12), 5(16), 8(3), 8(5), 8(13), 8(14), 8(15), 10(3), 10(11), स्पेशल-सिकल-6, स्पेशल सिकल-6, प्रतिरिक्त स्पेशल सिकल-10, स्पेशल सिकल-16, नई दिल्ली कर वसूली प्रधिकारी-10, नई दिल्ली।

यह श्रादेश 24 फरवरी 1979 से लागू होगा।

ए० सी० जेन **भायकर भा**युक्त दिल्ली-3 नई दिल्ली प्ररूप आई • टी • एन • एस • — — — भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 9 मार्च 1 979

निर्देश सं० एपी 529/78-79/एबीएच०—~यतः मुझे पी० एन० मलिक

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ख्रये से प्रधिक है और जिसकी सं० ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो प्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रवोहर में है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रवोहर में है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रवोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1978 में

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से भिषक है भीर प्रन्तरक (प्रग्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गता प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नमें कार्स्तिक रूप से कथित नमें वास्तविक रूप से कथित नमें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो भाग की बाबत, उकत प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय यो किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविझा के लिए;

ताः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उन्त भीविनयम का धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात्:—-

- श्रीमती भगवान कौर विधवा जय सिंह वासी श्रवोहर (भ्रन्तर्रक)
- श्री भोज राज पुत्र बनवारी लाल वासी फाजिल्का रोड, श्रबोहर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में है।
   (बहु व्यक्ति, जिसक ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उस्त सम्मति के प्रजैत के संबंध में कोई भी प्राजित :--

- (क्ष) दम सूचता के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी क्पिन दारा;
- (ख) इन सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो उक्त मिक-नियम के शब्दाय 20-क में परिनायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त ग्रहशय में दिशा गया है।

#### अमसुची

सिटी रोड ग्रबोहर पर एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 918 जुलाई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक मक्षम प्रा**धिकारी,** सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख: 9-3-79

मोहरः

प्रकृष भाई० टी॰ एत० एस०-----

आपकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के प्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्गन रंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश स० ए-२०७/किएम जे०/७८-७९/६४।३६-४।----यतः मुझे, राजेन्द्र नाथ वरा,

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भिधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- ६० से प्रथिक है

श्रीर जिसकी होलंडिंग 139 वार्ड सं० 21 है तथा जो कुणियार कुला प्रगानी बनामाली मंजा करीमगंज टाऊन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीमगंग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, नारीख 9-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है श्रीर श्रन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे, भन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से बक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी मान की बावत उका अधि-नयम क भन्नान कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप पा कियो धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 13) या उनत धिधनियम या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृश्य प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिबे;

भ्रतः श्रम, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपभारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथांत :--

- া. (1) श्री हाजी ममादक अली,
  - (2) श्री ग्रब्दुल मातिन श्रलियाम मोती रहमान।
  - (3) श्री अञ्दूल मलिक
  - (4) मो० सायब ग्रनी
  - (5) श्री ग्रब्दुल खलिक
  - (6) श्री श्रब्दुल हक
  - (७) मुसमान ताहामिना वेगम स्व० हाजी ग्रसादर ग्रली की सपत्नी/ग्राम बनामाली पां० करीमगंज (कछार) ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री प्रदीप कृमार राय, रामनगर, करीमगंज। (श्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वीका समिति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारिख में 45 दिन की श्रविध या नत्सम्बंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दी का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रंथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

जमीन का माप 3 (तीन कट्टा एक पुराना असाम टाइप मकान के साथ जो 750 स्क्वायर फीट में, जो कछार जिले के करीमगंत्र के पूर्वी बाजार में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रिसांग

नारीख: 27-2-1979

माहर:

प्ररूप भाई• दी• एन• एस•---

आयकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सङ्ख्यक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

णिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए-208/ सिल० /78-79/64149-50---यत: मुझे राजेन्द्र नाथ बरा

भागकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की पारा 252-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी ग्रार० एस० पट्टा सं० 222 दाग सं० 2709 है तथा जो परगाना बराकपुर मौजा सिलचर टाऊन, इन्टारखोला, जिला कछार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रग्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (६) मन्तरण से हुई किसी खाय की बाबल उक्त भित्रिमम, के प्रधीन कर देने के अक्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाव या कियी बन वा भन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाश्रिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रवः, अब उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के प्रधीन निस्तिकित व्यक्तियों, अर्थात्: --

- मो० ताफाजल प्रली लसकर, सिलचर। (ध्रन्तरक)
- 2 श्रीमती श्रभा रानी साहा, श्री परेश चन्द्र साहा की पत्नी सेन्द्रल रोड, सिलचर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की मबधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि
  को भी मबधि बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति

  हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितवद किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाकरण:---इसमें प्रयुक्त गान्हों सीर पदों का, जो उक्त सिक्षितियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

खाली जमीन का माप दस कट्टा (बंगाली) जो इंटाखीला, कछार जिला (ग्रसम) के सिलचर में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 27-2-1979

मोत्तर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० 209/एस1/78-79/64155-56--- यतः मुझे राजेन्द्र नाथ बरा न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- र॰ से प्रधिक मौर जिसकी सं० म्रार० एस० पट्टा सं० 546, 599 श्रौर 595 दाग सं० 5088, 3907, 3908 और 5089 जो परगना बराकपुर मौजा सिलचर टाऊन जिला कच्छार है तथा में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिलकर में, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों )भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्ध की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री अनिल कृष्ण बानिक, प्रेमताला, सिलचर (अन्तरक)

श्री निरपेन्द्र नारायण बानिक, नाजीर पट्टी, सिलचर।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के श्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया भया है।

#### धनुस्ची

खाली जमीन का माप 9½ कट्ठा जो ग्रमबिका पट्टी के चिनकूडी रोड, कछ।र जिले (ग्रसम) के मिलचर नामक स्थान में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा, सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रुजेन रेंज शिलांग ।

तारीख: 27-2-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-घ(1) के श्रशीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रंज, णिलांग

शिलांग, दिनाक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए-120/मिल०/69161-62---यतः मुझे राजेन्द्र नाथ वरा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का, 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी ग्रार० एस० पट्टासं० 545, 592, 595 दाग सं० 5088, 3908, 3907 ग्रीर 5089 है तथा जो परगना बराकपुर मीजा सिलचर टाऊन कछार जिले में में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी क कार्यालय सिलचर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) क ग्रिधीन नारीख 21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (ह) प्रनरण से हुई हिमो प्राय की बाबत एक्स ग्रीविनयम के भ्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः स्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्:— 1 श्री पियुक्त क्षान्ति देव गुष्ता स्थ० पारेण चन्द्र देव गुप्ता का पुत्र श्रमविकापट्टी सिलचर

क्रभी यत पताः--

विशा विभाग रामण संकेट(२०८, दिशप्र, गीहाटी।

- 2. श्री प्रयोतीय देव गुप्ता
- श्री पारीनोष देव गृता
- ा श्रीमती नान्दिता पुरकायास्था
- 5. श्रीमती श्रनिमा दन्ना गप्ता
- 6 श्रीमदी मामना जिल्लास
- 7. श्रीमती मन्दिरा दन्ना
- 8. श्रीमती सुनिति बाला देव गुप्ता स्व० पारेज चन्द्र देव गुप्ता की सपत्नी

सं० 2 में सं० 8 ---पावर श्राफ एटोरनी श्री पियुण कान्ति देव गुप्ता को (श्रन्तरक)

2. श्री अतिल कुमार बानिक प्रेमताला, सिलचर। (श्रन्तरिती)

को यह नुवना जारी हरके पूर्वति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किनो अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण :--इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

खाली जमीन का माप 19 कट्टा जो चिनकूड़ी रोड अमबिकापट्टी कछार जिले (अमम) के सिलचर नामक स्थान में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, जिलांग

तारीख: 29-2-1979

प्ररूप बाई • टी • एस • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश मं० राज/सहा० ग्रा० ग्राजेंन/534——यसः मुझे हरी शंकर

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ...... है तथा जो भादरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय भादरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1 जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पिष्ठक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नजिखिन उद्देश्य से उचन प्रम्तरण लिखित में गानारिक का म क्या नहीं किया गया है:——

- (क) पन्नरण में हुई किनी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उन्न अधिनियम की धारा 269-ग के शक्तरण में, नैं, उक्त यधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात् :---3--516GI/78

- श्री निरमल कुमार पुत्र श्री दीप चन्द वर्तमान में निवासी जी० एम० रोड शिलांग (मेघालय) (ग्रन्सरक)
- श्री मत्य नारायण पुत्र श्री गिरधारी लाल भादरा जिला श्री गंगानगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की घविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी घविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों गौर पदों का, जो उक्त मिन्न-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

# **ग्रन्**स्ची

वाई नं० 1 भादरा में स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक भादरा द्वारा क्रमांक 392 दिनांक 1-6-78 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-3-1979

मोहरः

प्रस्त प्राई० टो० एन० एन०----

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भिधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/सहा० ग्रा० भ्रर्जन/535—स्यतः मुझे हरी शंकर

षायकर ग्रिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की वासत, उक्त प्रधिनियम के धधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित न्यक्तियों भ्रक्ति:--

- 1. श्री निरमल कुमार पुत श्री दीप चन्द वर्तमान में निवासी जी एम रोड, जिलांग (मेघालय) ( श्रन्तरक)
- श्री गिरधारी ताल पृत श्री कन्हैया लाल भादरा जिला श्री गंगानगर (राज०) ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के घट्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वार्ड नं० 1 भादरा में स्थित मकान सम्पत्तिका भाग जो उप पंजीयक भादरा द्वारा कम संख्या 394 दिनांक 1-6-78 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> हरी शंकर स**क्षम श्रधिकारी** सहायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7 मार्च 1979

प्रहर प्राई० टी० एन० एम०-----

# भावकर विविविषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भाधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

- स्रजीत रोज स्रमृतसर र दिनांक २७ फरवरी ।

.श्रमृतसर, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देण नं॰ एएसग्रार/78-79/125—यतः मुझे जी॰ एल॰ गारू

ध्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 67 गोलंडन कलोनी हैंड वाटर वर्क्स रोड भ्रानृतसर हैं तथा जो......ं स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध म्रानुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी क कार्यालय स्रमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन स्रगस्त 1978

म पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए गय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिकत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत खक्त श्रिधिनयम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (म्ब) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री बीठ एसठ उपल वकील पुत्र बलबत उपल 67 गौलडन कलोनी हैंड बाटर बक्स रोड अमृतसर । (अन्तरक)
- 2. श्री तरलोक सिंह पुत्र मेला सिंह 4132 कृष्णा गली तरन तारन, जिला ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैमाकि उठपर नं० 2 में है श्रीर कोई किरायेदार होतो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 यदि कोई भ्रादमी इस जायदाद में कृति रखत हो तो

> (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- 🍐 उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---
  - (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पन्दोक्तरण :—हसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृची

कोठी नं० 67 जिसा क्षेत्रफल 234 वर्ग मीटर है जोकि गोलडन एवेन्यू हैंड वाटर वर्ग रोड ग्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रर्ड डीड नं० 1980 दिनांक 31-8-78 रिजस्ट्रिग ग्रथारटी ग्रमृतसर में स्थित है।

> जीव एकव गारू भक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, अध्तसर

तारीख: 27-2-79

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज ग्रम्तसर

श्रमृतसर दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं० एएसग्रार/78-79/126——यतः मुझे जी० एकः गारू

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० बिल्लिंडिंग नं० 14/4-1, 255, 57, 59/11, 970 से 972 है तथा जो कि गुरु बाजार श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रीधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रीम मिम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयींत्:---  श्रीमती कैलाण बनी पत्नी श्री किदार नाथ 13-ए रानी का बाग अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

अभिनी कमलेण गुलाटी पत्नी मनोहर लाल गुलाटी 13-ए रानी का बाग श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार है तो।

(वह व्यक्ति जिनके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस संपति में रुचि रखता हो।

(वह व्यण्कित जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वीश्व सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारी आह से 45 दिन की श्वत्रधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रत्रधि, जो भी श्रत्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के श्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया नया है।

## ग्रनुसूची

9/70 भाग बिलिंडिंग नं० 14/4-1, 255, 57, 59/11 970 से 972 जो कि गुरू बाजार अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड सं० 1921/1 दिनांक 24-8-76 रजिस्ट्रिंग अथारटी अमृतसर में दर्ज है।

जी जाल गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, ग्रमृतसर

तारीखः ------

मोहरः

प्ररूप भाई० टी • एन० एस •----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग ग्रमृतसर

ग्रमृत पर, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं० एएनग्र(र०/78-79/127-—यत. मुझे, जी० एस० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिके इसमें इसके पण्नाल 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-६० में अधिक है

ब्रौर जिनकी सं० 9/70 भाग श्राफ बिलंडिंग नं० 14/4-1 255, 57, 59, 970 में 972 7/4 है तथा जो कि गुरू बाजार में स्थित है (ब्रौर इमम उपावड ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप में व्यागत है), रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रमृतमर शहर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन खगस्त 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य ये कम के कृष्यमान प्रातेफल के लिए घन्नरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से. ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत अधिक है भीर प्रन्तरक (मन्तरको) और धन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में गम्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किनो भाग गा किसी धन या अन्य भाहितयों का, जिन्हों भारतीय प्राप-कर मिश्रितियम, 1922 (1932 का 11) या उक्त पश्चितियम, या धन-कर प्रवितियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियौँ के अर्थात:——  श्रीमती शुक्ला अरोड़ा पत्नी केवल अरोड़ा 63 लरिड रोड़, अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कमलेण गुलाटी पर्ता मतोहर लाल गुलाटी, 13-ए, रानी का बाग, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

जैसाकि ऊपर मं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में नम्पत्ति है)

 यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस गायदाद में किच रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवढ़ है)

को यह मूचन। जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सन्बन्त में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भाषोहस्ताक्षरी के पाम निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुवत शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

9/70 भाग आफे बिलिंडिंग सं० 14/4-1, 255, 57, 59, 970 से 972, 7/4 जोकि गुरू बाजार, अमृतपर जैसा कि रिजिस्टर्ड डीड नं० 1921 तिथि 24-8-78 आफ रिजिस्ट्रिंग आथारटी अमृतपर णहर में दर्ज है।

जीर एलर गारू सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 5-2-1979

प्रका धाई० टी० एत० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, श्रमृतभर अमृतसर, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश मं० एएसग्रार/78-79/128---यतः मुझे जी० एल० गारू

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9/70 भाग ग्राफ बिल्डिंग नं० 14/4-1, 255, 57, 59, 970 में 972/11 है तथा जो कि गुरू बाजार श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूनी में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रीधित्यम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) श्रद्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रिष्ठी :---  श्रीमती चंचल सूद पत्नी वासदेव सूद 13ए, रानी का बाग, अमृतसर।

(ग्रन्तरकः)

 श्रीमती कमलेश गुलाटी पत्नी मनोहर लाल गुलाटी 13-ए रानी का बाग अमृतगर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर मं० 2 में ग्रीर कोई किरायेदार हो तो।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायेदाद में रुचि रखता हो।

(बह् व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

9/70 भाग श्राफ बिल्डिंग नं० 14/4-1, 255, 57, 59, 970 से 972 जो कि गुरू बाजार अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 1923/1 दि० 24-8-78 श्राफ रजिस्ट्रिंग श्रथारटी श्रमृतसर शहर में दर्ज है।

जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायु<del>ग</del>त (निरीक्षण) ग्रर्जन **रें**ज, श्रमृतसर

नारीख: 1-3-1979

प्रकप पाई • टी • एन • एन • --

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269भ (1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंग ग्रम्तसर

ग्रम्तसर, दिनांक 1 मार्च 1979

ि निर्देश सं० एएसप्राप्/78-79/129─—यतः मुझे जी० ए ल० सरू

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्म प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित आखार मूल्य 25,000/- क्षण् से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1/7 भाग श्राफ विल्डिंग, नं 14/4-1 255, 257, 259, 970 से 972 . 8/4 है तथा जो प्रमृततर गुरू बाजार में स्थित है (और इसमें उपावद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण छप में बिणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमुतसर शहर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधितिएम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, श्रमस्त 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनारण जिल्विन में वास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त श्राधिनियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता श्राहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भता भव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के मधीन, निक्तिस्थित क्यक्तियों, प्रश्नौत:——  शीमती निकास भण्डारी पैकी गुरुवरण सिंह भण्डारी 130 रानी का बाग, अमृतगर।

(ग्रन्तरक्)

2. श्रीमाी कमतेग गुल(टी पत्नी श्री मनोहर लाल गुलाटी 13 रानी का वाग, अमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो।
 (वह अक्ति, जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है)

 4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में किच रखता होतो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रवंत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रंबधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20क में परिचाधित है, वहीं श्रबं होंगा जो उस शब्याय में दिया येया है।

#### मनुसुची

1/7 भाग ग्राफ बिल्डिंग नं० 14/4-1, 255, 257, 259, 970 में 972, 8/4 जो कि गुरू बाजार श्रमृतसर में जैसा कि रिजटस्ड डीड नं० 1976/1 तिथि 30-8-76 भाफ रिजिन्ट्रिंग ग्रम्।रटी ग्राफ ग्रमृतसर गहर में दर्ज है।

जी० एल० गारू मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

नारीख: 1-3-1979

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस•----

आयकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंग समृतमर

श्रमृतसर, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश मं० एएसग्रार/78-79/130—यतः मुझे जी० एल० गारू

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ध्यये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/7 भाग श्राफ विविद्यासं० 14/4-1, 252, 255, 259, 278/4, 970 से 972 है, तथा जो कि गुरू बाजार में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयस, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इद्देश्य से उन्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिश्रिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविधा के लिए;

ग्रस: ग्रंव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्स अधिनियम की भ्रारा 269-ण की सुप-भ्रारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्।---

श्रीमती राधा महगल पत्नी श्री मदन लाल सहगल
 रानी का बाग, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कगलेश गुलाटी पत्नी श्री मनोहर लाल गुलाटी, 13ए रानी का वाग, अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैंसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किराग्रेदार हो सो।

(बह व्यक्ति, जिसके अभिधभोग में सम्पत्ति है)

 यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्शीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त अधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन मन्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/7 भाग श्राफ बिल्डिंग नं० 14/4-1, 257, 255, 259, 278/4 और नं० 970 में 972 जो कि गुरू बाजार अमृतसर में है, जैगा कि रिजस्टर्ड डीड नं० 1977/1 तिथि 30-8-78 आफ रिजिस्ट्रिंग अथारिटी अमृतसर महर में है।

जी० एल० गारू मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, ग्रमुनसर

तारीख: 1-3-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 जनवरी 1979

तिर्देश मं० तप्रमग्र*(र*/७8-७9/131~यतः मुझे जी० एल**० गार**ू ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम्, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से ग्रिधिक बाजार मृत्य ब्रौर जिसकी सं० 1/3 भाग आफ बिल्डिंग नं०  $\frac{14}{4-1}$ , 255. 257, 259,  $\frac{778}{\Pi}$ , 970 और 972 हैं, जो एक गुरु बाजार अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय ग्रमृतसर गहर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1978 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:~~ 4—516GI/78  श्रीमती गणी सिंदवानी पत्नी महाबीर सिंह 13 रानी का बाग, ग्रम्तसर ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कमलेण गुलाटी पत्नी मनोहर लाल 13 रानी का वाग, श्रमृतमर।

(ग्रन्तिनी)

 जैसा कि उपर सं० 2 में ब्रौर कोई किरायेदार हो तो।

(यह व्यक्ति, निमके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि ग्रांर कोई व्यक्ति इस जायदाद में कचि रखता हो।

> (वह व्यक्ति जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनकद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी≆न सम्यन्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारी श्रा से 45 दिन की प्रविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/7 भाग स्राफ बिल्डिंग नं ० 14/4-1, 255, 257, 259, 778/11, 970 में 972 नो कि गुरु बाजार स्मृतसर में स्थिति है, जैसा कि रिजस्टर्ड डीड नं ० 1989/1, तिथि 31-8-75 स्राफ रिजिस्ट्रिंग स्थारिटी स्मृतसर शहर में दर्ज है।

र्जा०एल० गाम्स नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, असृतसर

तारीख: 1-1-78

प्रकप माई० टी० एन० एस •----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गतायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर स्रम्तमर, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं० एएसभ्रार/78-79/132—यतः मुझे जी०एल० एफ

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार सृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 1 भाग श्राफ विन्डिंग नं० 255, 57, 59, 14 778 970 to 972, 7 4-1, 4 है तथा जोकि गृरु वाजर, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनृसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1508 का 16) श्रधीन, श्रगस्त 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तरिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसो श्राय का बाबन, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने क श्रन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (च) ऐसा किसी ग्राप था किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियस, 192. (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियस, या बन कर ग्रिधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

भागः सब उक्त मिनियम की धारा 209-ग क सनुसरण में, मैं उक्त मिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निभनतिकित व्यक्तियों, मर्वातः—

- श्रीमती मत्या श्रोहरी पत्नी राज कुमार श्रोहरी 13 रानी का बाग, श्रमुतमर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती कमलेश गुलाही पत्नी मनोहर लाल गुलाही 13ए रानी का बाग, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि उपर सं० 2 में घ्रौर कोहै किरायेदार हो तो।
   (वह व्यक्ति, जिसके घ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि भ्रोर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखना हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उना सम्यानि के बार्जन के मंबंध में कोई भी धाक्षेप --

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपिकत द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृची

 $\frac{1}{7}$  भाग आफ बिल्डिंग नं० 255, 57, 59,  $\frac{14}{4-1}$ , 778 970 to 972 7 जो कि गुरु बाजार, श्रमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं०  $\frac{1990}{1}$  तिथि 31-8-78 श्राफ रजिस्ट्रिंग अथारटी श्रमृतसर णहर में दर्ज है।

जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज श्रमृतसर

तारीख: 1-3-1979

territorial de la companya de la com

प्रकृप भाई०टी०एन०एस०---

भागकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं ० एएसश्चार/78-79/133---पतः मुझो, जी० एल० गास्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट श्राफ भूमि जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज खमरा नं० 43 है तथा जो कि रामतीर्थ रोड, श्रमृतनर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जलाई 1978

जुलाई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यभात
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर भन्तरक
(भ्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे
अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखिन में बास्तियक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिसिनयम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा उकट नहीं किया गया था या जिला जाला चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:~

- 1. श्री बलविदर गिह, सुरिन्द्र मिह पुत्रान श्री किशन मिह, नामन स्वदेशी बुलन मिल्ज क्वाटर राम तीर्थ रोड, ग्रमृतसर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती गुरचरण कौर पत्नी सरदार जोगिन्द्र सिंह 2/2 पी० श्री० एल० एरिया, निकट एन० ई० एस० पावर हाऊस, श्रमृतसर कैन्ट। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सीरियल नं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभाग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई ग्रीर व्यक्ति इस जायदाद में क्वी रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजॅन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दायमें दिख गया है।

## अनुसूचो

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज खसरा नं० 43 जोकि राम तीर्थ रोड़ अमृतसर में है जैसाकि रिजस्ट्रड डीड नं० 1513/1 तिथि 20-7-78 रिजस्ट्रड अथारटी अमृतसर शहर में दर्ज है।

> जी० एल० गारू, सक्षम प्रधिकारी सहायक स्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, अमृतसर

तारीख: 1-3-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० --

पायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्र**मृ**तसर

ग्रमृतसर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश मं० भी/टी/78-79/134/—यतः मुझे जी० एल० गारू,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि 44 कनाल 9 मरले है तथा जीक गांव भाओ तहमील पठानकोट जिला गुरदासपुर में स्थित है (श्रार इसमें उपावड अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, जक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात् :---

- श्री ग्रच्छरू मल पुल्ल श्री गुटा गांव भाग्रो द्वारा मुखतियार-श्राम श्री कुलदीप चन्द, पठानकोष्ट । (ग्रन्तरक)
- श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह,गांव भाग्नो, तहसील पठानकोट।

(श्रन्तरिती)

 जैसा कि सीरीयल नं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार हो तो।

(बह ब्यक्ति, जिनके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता हो तो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 44 कनाल 9 मरले जो कि गांव भाष्रों में है जोकि पठानकोट मयुन्सीपल सीमा के 18 कि० मी० के निकट है और मुन्दर चच वाया सरना में है जैसाकि रजिस्ट्रड डीड नं० 806 एलसी 22-6-78 श्राफ रजिस्ट्र अथारटी पठानकोट में दर्ज है।

> जी०एल० गारू, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतमर

तारीख : 7-3-1979

प्रहरप भाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं पीकेटी | 78-79 | 135—जितः मुझे जी ० ए०एल० गारू प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 68 कनाल 10 मरले गांव गुलपुर तहसील पठानकोट है तथा जो जो अमृतमर में स्थित है (श्रीर इमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्राम पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 5-6-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिक्यों) को बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तराग स हुई किसी भ्राय को बायत उक्त प्रिष्ठि नियम, के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी खाय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री धालीराम पुत्र माइदाम गावि गुलपुर तहसील पठानकोट जि० गुरदामपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री बिहारी लाल पुत्र पुत्रुराम, रमेश कुमार पुत्र बिहारी लाल गांव ग्रोत्तोबाली पो० रमाल तहसील बटाला जि० गुरदामपुर।

(भ्रन्तरक)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

 यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति जो इसमें रुचि रखता होतो।

(वह व्यक्ति, जिन के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूचो

कृषि भूमि 68 कनाल 10 मरले गांव धुलपुर तहसील पठानकोट जि० गुरदासपुर जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं० 546 तिथि 5-6-79 जैनाकि रजिस्ट्री प्रधिकारी पठानकोट में है।

> जीव एनव गारू, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

नारीख: 7-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काबेटीपट्टीनम

कावेटीपट्टीनम, दिनांक 🙂 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उदि अ बाजार नृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्योक्त सम्भत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के ध्रक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; धोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या ग्रन्य भास्तिमों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अक्षा अब, उक्त भविनियम की धारा 269का के ब्रेममुक्रण में, में, उक्त अविनियम, की धारा 269का की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री एत परसुरामतः

(श्रन्तरकें)

2. श्री चिन्नकट्टी ग्रीर पांच

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में विया गमा है।

#### अनुसृची

भूमि श्रीर घर, एक टैस मील, शेड, श्रीर घर, तिम्मापूरम गांव में।

> श्रो० स्रानंदराम सक्षम प्रधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, कावेटीपट्टीनम

तारीख: 2-12-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रजन रेज, तिरूबद्वार

तिकवद्वार, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

मं० 98/जून/78—पतः पूजे श्री० श्रानंदणम. श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिमकी सं े े े े े े े े विषय हैं जो बालामीर, हनकूलन गांव, तिक्वहार वाल्क में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण कर ने बाँगत है), रिकर्ट्रा-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय तिक्वहार में भारतीय रिक्ट्रिंगण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीष्ठक है श्रीर श्रन्तरक (प्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए त्यापाया गया प्रतिफल, तिमनलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में पास्तविक का ते गिता गरा है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या पत्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्राधनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- (1) मैंबद व्सूपः।

(यन्तरक)

(2) थीं एम० चेट्टीयप्पण।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शृख करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वरुडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिशा गया है।

# अनुसूची

5.48 एकड़ भूमि, बालामोर, कलकूलम गांव, तिरूबट्टार तालुक, कस्याकुमारी जिला।

> श्रो० श्रानंदराम सक्षत्र प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रिंज 1, तिस्बट्टार।

नारीख: 12-12-78

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 99/जून/78---यतः मुझ श्रो० ग्रानंदराम भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से भविक है वाजार मुल्य भ्रौर जिसकी मं० .... है, जो बालामोर, कलकुलम गांव , कन्याकुमारी जिला में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, तिरूबट्टार में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन 29-6-78 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त, मधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें, भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- ा श्रो मैयद युमुफ

्रे (अन्तराः)

2. श्रीमती उपचाल चेट्टीयप्पन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका समाति के प्रर्वत के लिए कार्यवाहियां मुख्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कीई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मति में हित्ब कि किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

5.48 एकड़ भूमि (पोणमनी) सुरूलकोड नया गांव. कलकुलम, कत्याकुमारी जिला में।

> श्रो० यानंदराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण), गर्जन रज-1, मद्राम

तारीख: 12-12-78

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधितयम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

यार्जन रेंज 1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 दिशम्बर 1978

निर्देश मं० 100/जून/78 ---यतः मुझे श्रो० श्रानंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसम पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खंके प्रधीत मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गाण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- ७० से प्रधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बण्जार मृत्य से कम के दृष्यमान प्राचित्र के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पिक्ष है भौर प्रश्तरक (प्रस्तरकों) भौर भन्तरिती अस्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखन उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक

- (क) यत्तरग से हुई किसी प्राप्त के बाबत, उस्त धिधिनियम के घ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या प्रान्य प्रास्तियों को प्रकृष्ट मार्ग्याय प्राय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम या धन-कर अधितियम या धन-कर अधितियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रकृतियम, 1937 (1957 का 17) के प्रयोजनार्व प्रकृतिर्ता द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए दा, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उन्त पश्चिनियम, कौ धारा 269-ग के धनुसरण में में, उन्त पश्चिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) अधीन निम्नलिचिन व्यक्तियां, अर्थात् 1--- 5--516GI/78 मैयद य्मुफ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती उमयाल चेट्टीचप्पन।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्ति के धर्मन के मंबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की भविष्या नत्संबंधी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रम्बंहागा जा उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### धनुक्ष्यो

5.48 एकड़ भृमि (पोन्मनी) सूरूलकोड नया गांव, कन्या-कुमारी जिला में।

> श्रो० श्रानंदराम मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रारा

नारीख: 12-12-78

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर भिवित्यम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भिन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

ग्रजन रेंज-1, मद्राग

पद्राम, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

निर्देश स्० 101/गुन/78—यनः मुझे थो० ग्रानदराम ग्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रुपये से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से धिसक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के खिए;

श्रत: नव, उक्त प्रश्निनिधन की घारा 269—ग के मनुसरक में, मैं, उक्त प्रश्निनियम की धारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्चित स्थितियाँ, ग्रथाँत:—— श्री मैयद युसुफ।

(अन्तरक∳ः

2. श्रीमती ग्रमयाल चेट्टीयपन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

5.48 एकड़ भुमि, पोतमनी सूरूनकोड नया गांव, कन्या-कुमारी जिला में।

> श्चो० ग्रानदराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 12-12-78

प्ररूप माई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के शंभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, मद्राय

मद्राम, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निर्देण मं० 3/जून/78---यतः भुने, स्रो० स्नानंदराम, आय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशान 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

स्रीर जिसही सं० 108ए (नया सं० 195) है, जो पूनमञ्जी है रोड, मद्र. र 10 में स्थित है (और इनसे उपायद्ध स्रमुसूची में और पूर्ण हुए से विणित है), रिजन्द्रीकर्ना स्रिधकारी के कार्यालय, एस० स्रार० स्रो०, पेरीयमेट (इ.क सं० 527/78) में भारतीय रिजन्द्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 3-6-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित काजार मूल्य से कम के दृष्यमान्
प्रतिफल के निए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित काजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का चन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है, भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चनियम क ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त धीवनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:~~ श्रीमती डी० चामुन्डेश्वरी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नुजाता तस्त्रीम श्रीरतीन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्जवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिक्षितयम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है ।

## अनुसूची

भुमि श्रीर घर, 108ए (नयी सं० 195), पूनामल्ली हाई रोष, मद्रास-10 में।

> ग्रा० ग्रानंदराम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 15-12-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269ण (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-1, मब्राम

मद्रास, दिनांक 16 विसम्बर 1979

निर्देण मं० 45/जून/78—प्यतः मुझे श्रो० श्रानंदराम आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से अधिक है

पूर्वोकत सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घम्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त है घीर घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरितों (अस्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण र हुई कियो प्राय की बाबन, उक्क धिविषयम के धिधीन कर देने के घन्टरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किनो प्राय था किनो घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बादिए या, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः भवः, उन्नम् पश्चिनियमं की घारा 269-मं कं घनुसरणं में, में, उन्नं मोधनियमं की घारा 269-चं की उपमारा (1) के अक्षान, निम्मलिखिन स्पन्तियों, ग्रंथीत्: \_- 1. श्री टी० बालकृष्ण नायूडू

(भ्रन्तरक्)

2. श्री पारकर प्रस

(भ्रन्त(रती)

को यह सुभना जारी अपने पूर्वोक्त सम्मति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिल की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकारण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ध्रौर घर, सं० 10, बंदर स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

श्रो०श्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीखा: 16-12-78

प्रकप माई० टी० एन • एस •

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक अन्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्राम, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

निर्देण सं० 82/जून/78—यतः मुझे श्रो० श्रानंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्में इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह तिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 80 (नया सं० 21) है, जो श्र<sup>2</sup>मेनीयन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थिन है (श्रीर इसमे उपावड़ में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० ग्रो०-11 मद्राम नार्थ (डाक सं० 228/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन तारीख 19-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, जमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्वत पतिणान में भिक्त है भीर भन्तरक (भन्तरका) भीर भन्तरिता (भन्तरितिया) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में इंदिना आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीम कर देने के यन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या मन्य मास्सियों को, जिन्हें भारसीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की बवधारा (1) के प्रधीत तिम्नतिखित व्यक्तियों अर्थांस :-- श्रीमनी फ्रांतिमा गुलनान

(ग्रन्तरक)

2. श्री सैफुदीन ग्रक्त्रेरली क्षगट।

(ग्रन्ति रती)

को यत् मूचना जारो करके पृथांका अस्पत्ति कि धार्नन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप: -

- (क) इस मुचना के रागपत्न में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की सबीप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के णास निखित में किये जा सक्ती:

स्पन्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदा का, जो उनत श्रीधनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषि । है, बही श्रयं होगा, जा उस घड्याय में दिया गया है।

### प्रमुपी

भूमि स्नौर घर, सं० 80 (नया सं० 21) स्ररमेनीयन स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

> श्रो० श्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, मद्रास

तारीख: 16 दिसम्बर 78

प्ररूप आई० डी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 1, मद्राम

मद्राम, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 89/जून/78—यतः मुझे ग्रो० ग्रानंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16मी/2 है, जो एफ० एफ० रोड, वार्ड सं० डा॰ सबूत वेली स्ट्रीट मदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूचि में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डीस्ट्रीक्ट रीजीष्ट्रार, मदूरे (डाक सं० 1638/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 8-6-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से धिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रम्तरण लिखित में बास्तिबक कप से किंबत नहीं किया गया है।—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उन्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के झन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या घन्य घास्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर घश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविषण, या धनकर घश्चि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना काहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः शब, उक्त घविनियम की घारा 269ण के शनुसरण में, में, उक्त घविनियम की धारा 269ण की उपधारा (1)के श्रधीन, निम्मिकित स्पन्तियों श्रवाद् :~~ 1. श्री ग्रार० कालीयप्यन

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० सेकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वडरीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ट-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

भूमि भौर घर  $16\,\mathrm{dil}/2$ , एक० एक० रोड, सबूत बेली स्ट्रीट. मदूरै में।

श्रो० त्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 19-12-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भारों कर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देण मं० 91/जून/78—यतः मुझे ग्रो० ग्रानंदराम, ग्रायकर ग्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स ग्रिप्तियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिप्तीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से ग्रिष्क है

ग्रीर जिसकी सं० 16सी/2 है जो नाखार बीदयासाले स्ट्रीट 1 मदूरें में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) के ग्रधीन दिनांक 5-6-78 को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है ग्रीर मझे यह विश्वास करने

प्रतिफल के लिए भ्रन्सरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भ्रौर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरित्तियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य व्यक्ति यों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरक में, में उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत:—— 1. श्री ग्रार० कालीयप्पन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मित मे० कलरमती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनसूची

भूमि ग्रोर घर, 16सी/2, नाङार वीदयासालै स्ट्रीट, मदूरै में।

> स्रो० सानंदराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रोंग 1, मद्राग

तारीख: 19-12-78

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०---

प्रापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के श्राधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज 1, मद्रास

मद्राम, दिनांक \_20 दिशम्बर 1978

तिर्देश यं० 103/जून/78—याः मूझे ग्रो० ग्रानंदराम भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से श्रधिक है

जिसकी सं०
है, जो स्वीडन एस्टेट, एरकाड में स्थित है (ग्रीर इसस उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एम ग्रार० औ० एरकाड, (डाक सं० 106/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 9-6-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूयशमान प्रतिफल से, ऐसे व्यश्मान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिभत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत, उक्त मिछ-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धाधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया । या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः भव, उक्त श्रिष्ठितियमं की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्ः— 1. श्री चोकलींगम चेंद्रीयार ग्रीर चार ।

(भ्रन्त्रक)

2. श्री जगदीम ग्रौर एक।

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मंपत्ति के ग्रर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा नकों।

साध्योगरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्राधिनियम के श्रध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## **भनुपू**ची

91.65 एकड़, काफी एस्टेट, सेरवराय हीलम, एरकाड, सेलम जिला में।

> ग्रो० ग्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजना, मद्रास

तारीख: 20-12-78

प्रक्प माई० टी• एन० एस•---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा

269-व (1) के शकीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानयः, सङ्घयक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मदान

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1979

निर्वेश सं० 62/जून/78—यतः मुझे ग्रो० श्रानंदराम, धायफर धाविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त धाविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धाविन सवाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मल्य 25,000/- चपए से ग्रीक है

श्रौर जिसकी सं० 21 है, जो जाडर पील्लयार कोबील स्ट्रीट मद्रास-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बतराण (डाक मं० 561/78) में भारतीय रजिस्ट्रीरकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-6-78 को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की मई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्व प्रतिशत से प्रधिक है धौर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उच्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से मिनत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रिष्ठित्यम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग मा किसी कर मा भ्रम्य धास्तवों को, जिन्हें भारतीय धायकर भ्रमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रमिनियम या धन-कर धामिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रमारिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना वाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

भवः भव, उक्त भविनियम की धारा 269-न के भनुसरम में में, उक्त भविनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है प्रजीत निव्यक्षितिक व्यक्तिकों, भवीत्:---6---516GI/18 1. श्री गरूसामी

(अन्तरक)

3. श्री रागनन्त्रन श्रीर प्रदर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्वन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
  व्यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गमा है।

### **प्रनुसूची**

भूमि श्रौर घर सं० 21, जंडर पील्लयार कोवील स्ट्रीट, वाशरमेन्पेट, मद्रास -21 में।

> श्रो० ग्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्राम

तारीख: 21 मजबरी 1979

मोहरः

प्रकष बाई टी • एन • एस • ं ---

धायकर भाष्टितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ण (1) के भधीत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज 1 मद्रास

मद्राम, दिनांक 3 जनवरी 1979

निर्देश सं० 85/जून/78— यतः मुझे श्रो० श्रानंदराम भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ना कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/6, 2/6 श्रौर 3/6 है, जो नारायण नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जेएसग्रारओ-II, मद्रास नित (डाक सं० 2366/78), में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रत्यरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत प्रन्तरण निक्तिस में बास्त- विक कप ने कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की गावत उक्त शक्ति-नियम के भधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः धन, उन्त प्रशिक्षिम्यम काधारा 269-ग के अनुसरण में में उन्त अधिनियम **को भा**रा 269-घ को उपकर्ता (1) प्रशोन निम्तितिका **स्थानिक्यों, अ**र्थात .---

- श्रीमती एस० मूत्त् श्रहमद सुलैमान नाक्चीय । (ग्रन्तरक)
- श्रीमती ६०एम०ए० मुम्ताज चेगम । (ग्रन्तिती)

्रको यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भजेन के लिए कार्यनाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के भर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि साद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्पी

भूमि ग्रीर धर, सं० 1/6, 2/6 ग्रीर 3/6 नारायण नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 ।

श्रो० श्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 3-1-1979

प्रकृप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मामकर मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घररा 269थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जनवरी, 1979

निर्देण सं० 110/जून/78—यतः मुझे स्रो० स्नानंदराम प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपये से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 34 है, जो पच्चै नाच्चीयम्मन कोवील स्ट्रीट, पूत्र मंडपम, मदूरें में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड में ग्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पूद्रमन्डपम (डाक सं० 1057/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1978 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भड़ि-नियम के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धानियम, या धनकर भ्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रमुसरम में, में, उन्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के प्रधीन निम्निश्चित स्थानतयों प्रमीत्:--- 1. श्री एम० रामसामी।

(ग्रन्तरक)

2. एस० दूरैमामी नाडार।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होसी हो; के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गन्धों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अये होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

भिम ब्रौर घर, 34, पच्चे नाच्चीयम्मन कोबील स्ट्रीट, मदुरे में।

> आ० प्रानन्दराभ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज ।, महास

ता**रीख**ः 3-1-79

भोहर:

प्रक्रमाई०टी०एन०एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के भाषीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 15 जनवरी, 1979

निर्देश मं० 4712---यतः मुझे टी० बी० जी० कृष्णमूर्ती धायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- धपए से प्रिधिक है

भौर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 608 है जो कुनूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कनूर (डाकक् मेन्ट्स 664/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्रधीन, तारीख को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाबतिक क्य में किया नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धांति-नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए, घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी वन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिवितयम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिवितयम, या भ्रन-कर ग्रिवितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वादिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रम, उक्त श्रविनियम की बारा 269-ग के श्रनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के सभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— कुमारी लिलता नरसैया।

(भ्रन्तर्क)

2. श्र टी० एस० नागराजन।

(ग्र<sup>‡</sup>तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबढ़ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम, के भड़्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भड़्याय में दिया गया है।

## प्रमुखी

भूमि ग्रीर निर्माण—ग्रार० एस० सं० 608—कूनूर । (डाक्मेन्ट्स सं० 664/78)।

टी० बी० जी० क्रष्णमूर्ती सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** क्रजैन रेंज-II, मद्रास

**तारीख: 15-1-79** 

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

द्यायकरं प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269थ(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-ध, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी, 1979

निर्देश सं० 4727—यतः मुझे, टी० वी० जी० ब्राट्णमूर्ती, प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं 84/बी1 (ग्रार एस सं 2647/3) है, जो उटकमेन्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालयं उटकमेन्ड (डाक्सेंट सं 779,78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीधक है ग्रीर भन्तरक (ग्रम्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भ्रम, उन्तः श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित स्थितियों, श्रयत्ः— श्रीमती केमगम्माल।

(ग्रन्तरक)

2. मर्बश्ची के० चेवन घौडर, सी० कालिमुतु, एच० के० जोकी घौडर, जे० करचन एच० के० बेल्ली घौडर, बोजन, मैनर सिवलिनगम, मैनर कृष्णमूर्ती, मैनर कन्नन, के० काठा घौडर, श्रारूमुगम मैनर मनी, मैनर मनोहरन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रश्न वाक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

# श्रनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण —श्रार० एस० सं० 2647/3 (डोर सं० 84-वी1), उटकमेंड (डाक्मेंट सं० 779/78)।

> टी० बी० जी० कृष्णमूर्ती मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-1-79

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राम, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश मं० 43/जून/78—यतः मुझे, स्रो० भ्रानन्दराम. भ्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपण् से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 20 है, जो कंदर हास्टल रोड, नामक्कल, सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नामाक्कल (डाक सं० 399/8) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन तारीख 30-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम, के अधीन कर देने के मन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिष्टित्यम, या धन-कर भिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री रामचन्द्रन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती अम्बीका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध्व, जो भी ध्रविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पत्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनता सधितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उम श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ग्रौर घर, 20 कंदर हास्टल रोड, गाँधी नगर, नामक्कल में।

> थ्रां० श्रानन्दराम सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारी**ख**: 19-1-79

प्रकप ग्राई० ही० एन० एस०---ग्रायकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की
ग्रारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-ग्रा, मदास

मद्राम, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश मं० 4744---यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रोर जिसकी सं ० एस० एफ० सं ० 568 है, जो सीरापालयम ग्राम में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं ० 842/78) में भारतीय रस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूंल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से सिक्षक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अस्तरन से हुई किसी पान की बाबत उक्त श्रीक-नियम, के भर्षान कर देने के अस्तरक के वाधिस्य में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के सिए! और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य धास्तिनों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिसेथा, छिपाने में मुस्थिस के लिए;

श्रप्तः प्रश्न, उन्त धिश्वितियम को भारा 269-ग के बनुसरण में में, उन्त ग्रश्चितियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के स्रोतीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं मर्ज मौली श्रौर सनम एनजीनीयरस (प्रा०) लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- मैसर्स दी जनरल एलकट्रिक कम्पनी श्राफ इंडिया लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचनां के राजपन्न में प्रकाशन की कारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्तान्तरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम, के नन्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

# भनुसूखो

भूमि ग्रौर नि**मणि**—एम० एफ० सं० 568, सीरापालयम ग्राम (डाक्सेंट सं० 842/78)।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-2-79

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज-∏, पक्राम मद्राम, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 4744--यतः मुझे ग्रो० श्रानन्दराम ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त प्रधिनियम' कहा नया है) की धारा 269-व के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर ब्रम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- व्यये से घष्टिक है **श्रीर** जिसकी सं० एस० एफ० सं० 568/1, 569/1 है, जो सीरापालयम ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट्स सं० 843/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ब्रधि-नियम, 1908 (1908) का 16) के श्रधीन, तारीख पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है. कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अम्बद्ध प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों)भीर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्सविक कप से नाचित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत, कवत जिल्ला नियम, के प्रधीन कर देने के सन्तरक के बासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सोर/वा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर मिंचिनमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंचिनमम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के मधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री टी० कें वन्द्रमौली।

)⊁ (भ्रन्तरक)

 मेसर्स दी जनरेल एलकड़िक कम्पनी श्राफ इंडिया लिमिटेंछ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिये भार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्वक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त कक्यों भीर पदों का, ओ उक्त सक्षि-निवस के सम्याय 20-क में यथा परिचाचित हैं, वहीं सर्च होगा को उस सम्याय में दिया गया है।

### प्रमुखची

भूमि ग्रौर निर्माण एस० एफ० सं० 568/1 श्रौर 569/1 सीरापालयम ग्राम (डाक्मेंट सं० 843/78)।

> श्रो० <mark>ग्रानन्दराम</mark> स**क्षम श्रधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-2-1979

प्रकार प्राई० टी• एत∙ एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1979

किर्देश मं० 4707,—यतः मुझे श्रो० श्रानंदराम, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० एफ० सं० 93/1, 567-568/2, 561/1, 562/1, ग्रौर 563 है, जो सं० 5, बिलिच्ची ग्राम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पेरिपनायरनपालयम डाक्मेंट सं० 222/78) में भारतीय रस्ट्रीकरण ग्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण निखित में बास्तविक कप मे कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण ये हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ध्रम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत भिधिनियम, या धन-र-भाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः धव, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निष्नितिखन व्यक्तियों, अर्थात: --7---516G1/76

- । (1) श्री कें व बेलमनी
  - (2) श्री के० रमेप।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री एस० रंघस्वामी।
  - (2) श्री एस० पलनीस्वामी।
  - (3) श्री एस० ननजुकट्टी।
  - (4) श्री एस० चित्रस्थामी।

 को यह सूचना आरो करके पुर्वोक्त नस्पत्ति के प्रजैन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी भन्य स्थित द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इममें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उन्त अधि-तियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

भूमि एम० एफ० मं० 93/1 567 568/2 561/1 562/1 स्रौर 563 मं० 5 विलिच्ची ग्राम (कृक्मेंट मं०~ 222/78) है।

श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, मद्रास

त<sub>्</sub>रीय . 2 2-1979

प्रकृप भाई० टी • एन • एस •----

ग्रायकर मिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269य (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज मद्रास मद्रास दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देण सं० 4749—यतः मझे श्रो० श्रानन्वराम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- उ० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० एफ० सं० 105/1, 105/2, 105/3 श्रीर 104/1 सी 2 है, जो चिक्रमले एसस्टेंट नठूघाणी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय धूटलूर (डाक्सेंट सं० 522,78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है भीर मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिषक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रश्वियों) के नीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिन कर से कांग्रत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरग सं हुई किसी आप को बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित न्यनितयों, धर्मात:—— 1. श्री सामम पी० मामूबेल

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० मुरुषेसू।

(ग्रन्तिरती)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख 4 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य स्पक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं मधे होगा जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि एस० सं० 104/2, 105/1, 105/2, 105/3, चिन्नमले एस्टेट नठूधानी (डाकूमेंट सं० 522/78)।

ग्रो० श्रानन्वराम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 2-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास मद्रास दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 4762—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं जी एस सं 130/3 134/1, तालूक है जो घूठलूर कोयम्बट्र (डाक्सेट सं 1819/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण कि बिखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

भतः मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधोन निष्सिनिखित व्यक्तियों अर्थातः — 1. मैसर्स सूपर सीपरिंगस लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स केवल पट्टी लकपमी रोलर फलवर मिल्स (पी) लिमिटेड।

(ग्रन्त(रती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाक्षियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों घोर पदों का, जो 'उक्त ध्रधि-नियम', के घटयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस घटयाय में दिया गया है।

### **प्रनुसूची**

भूमि जी० एम० सं० 130/3, 134/1, घूठलूर कोयम्बेटूर तालूक (डाकुमेंट सं० 1819/78)।

श्रो० श्रानन्दराम सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज मद्रास

तारीख: 2-2-1979

प्रकप साई० टी० एन० एस∙--

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज. मद्रास मद्राम दिनांक 2 फरवरी, 1979

निर्देण सं० 4732—यतः मुझे ग्रां० ग्रानन्दराम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ल्पए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 61/1 (सिप सं० 6) है, जो विस्वतातन लेशवुड़ लकिपपुरम उच्योलिपालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण च्या में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिनगनलूर (डाक् मेंटेस सं 475/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से मधिक है भीर पन्तरक (अन्तरका) भीर पन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित में ग्राह्मिक हम से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त पश्चित्तियम के अधीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या यत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) श अयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपानें (सुविधा के लिए;

अतः प्रज, उनतं प्रधिनियमं की धारा 269-ग के प्रनुपरण में, में, उनतं प्रक्रितियमं की धारा 269-मं की प्रपन्नारा (1) के अधीन, निम्मलिकित अपितयों, अपीत्:— 1. श्री पी० अलगेमन।

(अतरके)

2. श्री ग्रार० चिन्नस्वामी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुखता जारो करकेपूर्वाक्त सम्पत्ति के धर्जन के चिए कार्यवाहिया अरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  पूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
  भविधि बाद में समाप्त होती ही, के सीतर पूर्वीकत
  क्यक्तियों में के किसी क्यकित द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्नोडस्तालरी के पास जिल्लेक्त में किए जास केंगे।

स्पच्छी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पशें का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में शिया गया है।

### श्रनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण एम० एफ० मं० 61/1 (सपिड मं० 6) विस्वनातन ले ग्रवुड़ लक्तपमिपुरम उप्पीलिपालयम (डाकूमेंटसं० 475/78)।

> स्रो० स्रानित्दराम सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज मद्रास

वारीख: 2-2-1079

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राय

मद्राम, दिनांक 6 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 57/जून/78—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं०

है, जो पल्लपट्टी गांव में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रो० नागल नायकन पट्टी (डाक सं० 791/78) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 12-6-78

पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उनक वृश्यमान प्रतिफल के पन्दर्र पतिगा ने प्रांचक है योग पन्तरक (प्रत्नरका) मोर प्रतिरिता (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निविद्या में गस्तिक का ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधितियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रापीतः— 1. श्रीमती जभकत वंगम।

(ग्रन्सरक)

श्री आर्०एम० और गत्म।

(ग्रन्त(रती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

# ग्र**न्**सूची

 $364 \ 3/4 \ \text{एक छ भूमि और एक छोटा घर, पल्लपट्टी गांव में।}$ 

श्रो० ग्रानन्दराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 6-2-1979

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

आयक्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269म (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश मं० 12/जुलाई/78—यतः मुझे थ्रो० श्रानन्दराम श्रायकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रीधिकारी को, मेह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क० में अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 185, है, जो तम्बू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रो०, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 29-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है धौर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से धिष्ठक है आर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितिया) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में बक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के मश्रीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किया बन या भन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में मुविधा के लिए;

ग्रत : शब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269 व की उपबारा (1) के अधीन, निक्नसिबित व्यक्तियों, प्रवृत्ति !--- 1. श्रीमती एस० जयम्माल।

(प्रकेरक)

2. श्रीमती पी० एन० गनानसून्दरम्माल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवज्ञ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तीकरण: --- हममें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रीर घर, 185, तम्बू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में 1/2 सेर।

> श्रो० ग्रानन्दराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज-1, मद्रास ।

तारीख: 6-2-79

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयंकर प्रवितियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन, रंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देण सं० 13/ जून/78—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम, धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधक है

ग्रौर जिसकी सं० 185, है, जो तम्बू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रो०, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-6-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिन्नियम के मानीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम मा धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्यात्:---

1. श्रीमती कोमलवल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० वृत्रनेष्यरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्वध्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उम श्रष्ठ्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

1/2 सेर भूमि श्रौर घर, 185, तम्बू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास- 1 में।

श्रो०श्चानन्दराम, सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज-1, मद्रास ।

तारीख: 6-2-1979

पक्ष पाई० टो०एन० एस०-----

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ (1) के भधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जं न रेंज-11, मन्नाम मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1979

निर्वेण सं० 8256—म्यतः मझे भो० श्रानवराम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन मक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 1637/1, 1637/2, 1637/2, 1640 भ्रौर 34/2, है, जो ग्रबिषेकपाककम पांडीचेरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पांडचेरी (डाक्समेंट 1043/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उति। बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत श्रीक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) घोर प्रस्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कायत मन्तरण कि स्थित में वास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी भाग की बाबत उपत अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायाब में कभी करने या उससे बचने में सुविधा **के सिए; धीर/**या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता भन, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती चिठीरानी, वेकटापती, श्रनन्धुन, रामचन्द्रन, पुरुषोतमन, ठेवनातन, लकपमिनारामनन । (श्रन्मरक)
- श्रीमती कनकावाय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपस संपत्ति के बार्जन के संबंध में कोई मी बाजेप :---

- (क) इस सूचना के राजार में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रवधि, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिन-गढ़ किसी अन्य ग्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्च होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया बवा है।

### अमृह्या

सर्वे मं ० 1637/1. 1637/2, 1637/2/2, 1640 और 34/2, प्रक्षिकशाक्कम् पाठीबेरी (डाक्मेंट मं ० 1043/78) ।

यो० ग्रानन्दराम, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 7-2-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

# भार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

### ग्रर्जन रेंज-∏ मद्राम

मदास, दिनांक 7 फरवरी 1979

निदेश सं० 6331—यतः, मुझे, श्रो० श्रानन्दराम प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी मं । 1 (प्लाट नं । 195) है जो यह मैंन गांधी नगर, मद्रास-20 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्या में विणत है) रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सैदायेट, मद्रास डाक्सेंट सं । 647/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिय 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमानय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत म वास्तिक कप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ध्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उनतं श्रिधिनियमं की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनतं भ्रिधिनियमं की घारा 269-म की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत्:—— 8—516 GI/78

- 1. श्री बेठ एम० रामू, । (श्रन्तरक)
- 2. मद्रास इंस्ट्रियूट ग्राफ डवलेपमेंट स्टर्डीस। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि **भौ**र निर्माण—11 **थर्ड मैन रोड,** गांधी नगर मद्रास-20 । (डाक्नुमेंट सं० 647/78) ।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्रा, महास

नारीख: 7-2-1979

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०-

आयकर भिर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० 4715—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से अधिक है

स्रोर जिमकी सं० 17-8-5 (हाफ गेर) है जो चिककठमम-पालयम श्रविनापी नालुक में स्थित है (स्रोर इसमें उपावद में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय मेट्टपालयम (डाक्सेन्ट मं० 911/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है बीर धन्तरक (धन्तरकों) घीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय को बाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की बारा 269-व की उपदारा (1) के अधीन, निम्निवित् व्यक्तियों, श्रवित्ः— 1. श्री ग्रार० वेनकटरमनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती के० पोन्नम्माल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त मम्मित के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्रिनियम के भव्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

# प्रमुत्त्वी

भूमि और घर—-17/8/5 चिखठममपालयम अविनाषी तालुक (हाफ गेर) (डाकुमेन्ट मं० 911/78 ।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-2-79

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

क्कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राम दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० 4715—यातः मुझे श्रो० श्रानंदराम ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्राधक है

भ्रौर जिसकी सं 17-8-5 (हाफ शेर) है, जो चिखठमम पालयम श्रविनाणी तालुक में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में पालयम इक्कुमेन्ट मं 908/78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधियिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर शन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण किखत में वास्तविक कप से किलत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त मधि-नियम के भ्राधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविश्वा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, सक्त मधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रवीत् :-- 1. श्री ग्रार० राधाकुण्णन्

(ग्रन्तरक)

2. श्री मी० केर्पंय चेट्टीयार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण -17/8-5 चिछाठसमपालयम श्रीवनाषी तालुक (हाफ षसर ) डाक् मेन्ट सं० 908/78 ।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रॉज-I मन्नास

नारीख: 7-2-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रैंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० 4738 - - यतः मुझे, श्रो० ग्रानन्दराम, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 28, स्ट्रीट तिरुप्पूर है जो मिल रोड स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरूपूर (डाक्सेन्ट सं । 1196/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन नारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (ग्रन्तरकों) मौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भारत भारतियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री ग्रार० बालसुक्रमनीयम ।

(अन्तरक<u>)</u>

2. श्रीमती एस० सावित्री।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रश्व या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की प्रश्व, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्मत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त भिन्न-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसूची**

भूमि और निर्माण-28, मिल रोड़ फस्ट स्ट्रीट तिरुपूर (डाकुमेन्ट सं० 1196/78)।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रवीन रैंज, मद्रास

तारीख: 7-2-1979

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भायकोर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज मद्राम

मद्राम, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश स० 4760--यतः मुझे श्री० श्रान्तदराम भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है ब्रौर जिनकी सं० 1, है जो निप्रगराया नयु स्ट्रीट कोयमबहुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाक्मैंट मं० 1755/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भाधक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, छक्त भाधिनियम के भाधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:——

- (1) श्री एन० एस० नटराज चेट्टीयार।
   (2) डाक्टर तिरुनानम सनमुक्तप्रकाण।
   (अन्तरक)
- श्रीमती पी० कमलम और दनम्माल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भुमि श्रौर निर्माण-सं० 1 नियगाराम न्यू स्ट्रीट कोयम्बटूर (उ।कुमेन्ट सं० 1755/78)।

> श्रो० श्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, मद्रास

तारीख: 7-2-79

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देण सं० 6318---यतः मुझे ग्रां० ग्रानंदराम, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 6, 7 श्रीर 8, सिनगार मुदली स्ट्रीट मद्राम17 है, जो मद्राम (डाक्मेन्ट मं० 567/78) में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है ) रिज-स्ट्रीकर्नी श्रीधकारी के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रीमित नारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीष्ठक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ष) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रथ, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रजीन किम्निक्षित व्यक्तियों, ग्रवीत:——

- 1. एस० कबाली एस० कलपक्रम एस० पट्टम्माल एस० वानी। (श्रन्तरक)
- श्री टी० मुरुग्नेसम पिल्लै।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्रविध, जो भी स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त भन्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ग्रीर घर-6, 7 ग्रीर 8 सिनगार मुदली स्ट्रीट (डायुमेंट सं० 567/78)।

श्रो० ग्रानंदराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-मद्रास

तारांखा: *7*-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

धायकर बिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० 8275—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 6 विवेकानंदर फम्ट स्ट्रीट है जो रेडी-पालयम श्रोलवकरे कमयून में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रोलुकोरे (डाकूमेंट सं० 589/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख को

पूर्वोक्स, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्रायकी वाबत उक्त भक्ति-नियम के भ्रष्टीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी घन या घन्य घास्त्रियों की, जिन्हें बारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के लिए;

भतः ग्रन, उन्त भिविनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्त श्रविनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के भिन्न, निम्नुलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:— श्री पी० सठ। गिवम ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री डाक्टर वी० टी० विजयसकवलू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजेंन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की अविधिया तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---६ममें प्रयुक्त शब्दों और पत्नो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अबं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनु**सूची

भूमि श्रौरघर सं० 6, विकानंदर नगर श्रौलवकेरे कमयून, पांडीचेरी (डाकूमैन्ट सं० 589/78) ।

> श्रो० भ्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-II, मद्रास

नारीख: 7-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भागकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० 8274—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिक है

ग्रीर जिसकी सं० 26. कस्तूरवा नगर है, जो तट्टानचावाडी, पाँडीचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ओजूक्कराय (डाकूमेंट सं० 588/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक करने से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्राम, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रमीत:—

श्री टी० ई० नटेसन।

♣ (श्रन्तरक)

2. श्री बी० वेंकटाचलम।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि स्रोर घर--26 कस्तूरवा नगर, पट्टानवावाडी, पांडीचेरी (डाक्सेन्ट सं० 588/78)।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारी**ख:** *7***-2-7**9

प्रास्प आई• टी•**ए**न॰ एस॰———— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**प** (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1979

निदेश सं० 8267—यतः मुझे, श्री० ग्रानंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित ग्राजार मूल्य 25,000/- २० से श्रीक है,

25,000/- रु० स शासक हु,
श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 61/1, लप्पोलीया स्ट्रीट है,
जो पुड्पालयम, कुडलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के
कार्यालय, कुडलूर (डाक् मेंट सं० 680/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख .....
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान
श्रितफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य,
उसके दृश्यमान श्रितफल से, ऐसे दृश्यमान श्रितफल का पन्द्रह्र
श्रितशत अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर शन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया
श्रितकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत अक्त प्रधि-जियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी कारों या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी कियो ब्राप्त या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर धिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ प्रस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रेसा था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-रण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधात् :---9—516GI/78 1. श्री एम० रामकृष्णन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० वी० सुद्रामितया मुक्लीयार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की शबधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# प्रनुस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण——टी० एस सं० 61/1 लप्पोलीया स्ट्रीट, पुद्रूपालयम कुडलूर (डाक्मेन्ट सं० 680/78)।

श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारी**ख:** 7-2-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

नायलिय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्राम, दिनाँक 8 फरवरी 1979

निवेश सं० 6334/78-79—यतः मुझे, ग्रो० ग्रानन्दराम आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 139 से 141 है, जो ट्रीप्लीकेन हाई रोड भौर सी० एन० के० रोड, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो०, मद्राम (डाक्० सं० 403/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उनके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पारा गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत अक्त धिर्मित्यम के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मत: मन, उन्त भिवित्यम की धारा 269-ग के मनुसरम में, में, उन्त भिवित्यम की धारा 269-भ की उपधारा (1) सभीन निम्निवित्त व्यक्तियों, सर्थात्:—- 1. श्री एम० कुमारस्वामी नायड्। <br/>
श्रन्तरक)

2 श्री के॰ एम॰ गीयामूद्दीन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद
  किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

 इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त धिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं भ्रयं होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गंबा है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर घर, डोर सं० 139 से 141, शाप सं० 1 से 7, ट्रीप्लीकेन हाई रोड श्रौर सी० एन० के० रोड, मद्रास में।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिका**री,** महायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-2-79

प्रकप भाई• टी• एन• एस•-----

आह्मपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायूलत (मिरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिन।क 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० 4710/78-79—यत: मुझें, ग्रो० ग्रानन्दराम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6 है, जो कोंगू नगर मूदलवीवी, तीरूपूर, पल्लडम तालूका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डी० आर० तीरूपुर (डाकू० सं० 905/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-6-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूह्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत ग्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिख्य में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रक्षिक नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के बायत्व में कभी करने या उससे अवने में मुविधा के जिए। प्रौर/या
- (ख) ऐसी किथी साथ या किसी झन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिश्चनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्चनियम, या झन-कर मिश्चनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त ग्रांधिनियम की धारा 269ग के बनु-सरण में, में, उनत ग्रांधिनियम की धारा 269 में की उपजारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रांब्रा--- 1. श्रीमती कमलम्माल।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती अविकारीयम्माल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादियों करता है।

उन्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी श्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत में अकाशन की नारीका से 45 दिन की भविध या तस्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति क्षारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

# धनु सुची

भूमि श्रौर घर, डोर सं० ६, कोंगू नगर, मूचल स्ट्रीट, तीरूपूर, पल्लडम तालूका में।

> स्रो० म्रानन्दराम यक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 9-2-79

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एम॰-

भ्रायकर ग्रीविनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कायिनिय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, मब्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्वेश सं० 4737/78-79—यतः मुझे, श्रो० श्रामन्दराम आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए सं श्रिधिक है

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्छे में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भत: श्रव, ४क्त भिवित्यम की धारां 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— 1. श्री भारपप गवून्डर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तीरूपूर टेक्स्टैलस (पी०) लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

7.84 एकङ् भूमि, 15 मं० वेलमपालयम गांव, पल्लडम तालूका में।

> श्रो० ग्रानन्सराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-2-79

प्रकार भाई० टी • एन • एम • ----

अ।यकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन यूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० 4757/78-79—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

मौर जिसकी सं० टी० एस०, 2/1310/1 मौर 1311 है, जो पेरूमाल कोवील स्ट्रीट, कोयम्बट्स में स्थित है (म्रौर इमसे उपाबद म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार० ग्री०-III कोवै (डाक सं० 1757/78) में भारतीय रिस्ट्रीकरण म्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख जून 1978 का पूर्वात संपत्ती के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोत्त संपत्ति के उचित बाजार म्लय से कम के दृश्यमान प्रिक्षक के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिणत मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्त्रोरितयों) क बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त प्रन्तरण लिखत में बास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसो भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर बेने के भ्रन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ण
- (च) ऐसी किनो अप गा किनो बन गा प्रना ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 31) या उभत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 69-ा की उपप्रास (1) के प्रधीन निक्रनिक्षित व्यक्तियों, प्रथी 1. श्रीमती तंगम्माल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० कीदेर मोहमदू।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उन्त संपास के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त श्रधितियम के श्रष्टमाय 20-वः में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

मूर्गि औरघर टी० एस० सं० 2/131**0**/1 और 1311 पेरुमाल कोबील स्ट्रीट, कोयम्बट्टर टवून में।

> श्रो० म्रानन्दराम, नक्षम प्राधिकारी, नहायक श्रायकर यायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज, मद्रास ।

तारीख : 9 फरतरी, 1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक ब्रायकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश हूँसं० 58/जून/78—स्वतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 97 सं० बोडी मेरकू मलै ग्रामम मनप्पट्टी पूलम है जो पेरीयकूलम तालूका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रो० बोडी (डाक सं० 1336/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 15-6-79

(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है
और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि
प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती
(प्रन्तरितियों) कं बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
किकालिखत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखत में वास्तविक कप
से कांचित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिक नियम के भन्नीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसा आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

भतः सम अनत समिनियम की धारा 269-म के सनुवरण में; में, अकत समिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निविध व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री एस० नारायनन

(ग्रन्तरक)

2. मैनर बी० ग्रह्मराजन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारी का से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिचाधित है, वहीं प्रखें होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

16.97 एकड्सं म्रग्रीकलचरल भूमी 97 सं० बोडी मेरकू मले ग्रामम मनप्पट्टी पूलम, बोडीनायकनूर तालूका, मदुर जिला में।

> ग्रो० ग्रानन्दराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मन्नास ।

तारीखा: 13 फरवरी 1979

प्ररूप बाई• टी• एन• एस•-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्राम, दिनांक 13 फरवरी 1979

निवेण मं० 59/जून/78—यतः; मुझो; ग्रो० ग्रानन्दराम आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूहन 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 97 सं० बोडी मेरकू मलें ग्राम है, जो मनपट्टीपूलम, बोडी तालूका 1 मदूरें जिले में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो० बोडी (डाकू० सं० 1337/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) धौर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर वेने के भन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/वा
- (च) ऐसी किसो माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के भधीन, निध्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात्।--- 1. श्री एस० जनकराजा।

(भ्रन्सरक)

2. श्री एम० बालकृष्णन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीका संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहां अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है!

## अनुसूची

11.8 एकड़ श्रग्रीकलचरल भूमि 97 सं० बोडी मेरकू मलै ग्राम मनपट्टीपूलम, बोडीनायकन्र तालूका, मदुरै जिला में।

> श्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 13-2-1979

प्ररूप प्राई• टी० एन० एन०-------

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश सं० 61/जून/78—यतः; मुझे; श्रो० श्रानन्दराम श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० है, जो 97 सं० बोडी मेरकू मलें ग्राम मनपट्टीपूलम, पेटीयकूलम तालूक में स्थित है (ग्रीर इससे उप।बढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्प से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ग्री० बोडी० (डाकू० सं० 1344/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बनारण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी ितसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धनकर भ्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भन्नीन, निम्मिशिवत व्यक्तियों, भर्यातः

ा. श्री एस० जनकराजा।

(ग्रन्तरक)

2. माइनर सेन्तील कुमार।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
  िक्सी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  निखित में किए जा सकेंगे ।

हराष्ट्रोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस घ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

11.81 एकड़ एग्नीकलचरल भूमि, मनण्यद्वीपूलम, 97 सं० बाड़ी मेरकू मर्ले ग्राम, बोडीनायकनूर, मदूर जिला में।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्राय

तारीख: 13-2-79

प्ररूप ग्राई• डी• एन० एस•----

प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाथक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-ग्र, महाम

मद्राम, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेण सं० 6351——यतः: मुझे, श्रो० श्रानन्दराम श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिमकी मं० 4 है, जो श्रीमान श्रीनिवास ग्रध्यंगर रोड, मदाम-18 में स्थित है) ग्राँर इसमे उपायत अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रो० मैलापूर (डाक्रू० सं० 750/78) में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 16-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है भौर भन्तरित (अन्तरिकों) भौर भन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर में किवत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर पिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269का के धनु-सरण में, मैं: उक्त प्रधिनियम की धारा 269का की उपवारा (1) के अधीन निस्तिसिखत व्यक्तियों, अर्थात् !---- 1. शीमनी जीना बीबी और अन्य ।

(ফাল্ডাস্ফা)

2. श्री एम० मूह्यमेन नायकर श्रीर ग्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा नकींगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रोर घर, सं० 4, श्रोमान श्रीनिवास ग्रस्यंगर रोड. ग्रलवरपेट, मद्रास-18।

> श्रो० ग्रानन्दराम सक्ष**म प्राधिका**री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, महाम

ना**रीख:** 21-3-79

प्रक्रप आई० टी० एन∙ एस∙-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्राग

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्वेण सं० 6396—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख ः प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र• से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 58, ब्लाक 20 है, जो बेंकट-रतनम नगर मद्रास-20 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार II, सैदापेट (डाक सं० 958/78) में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-6-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नद्व प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत उक्त अधिनियम के घषीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के सिए;

अतः सव, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-व की वपकारा (1) अधीन, निव्यक्तिविध व्यक्तियों, सर्वात् ।—— (1) श्रीमती आर० पदमावती

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती श्रार० श्रलमेलु।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के स्रार्थन के संबंध में कोई भी प्राजिप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तरसम्बन्धी क्यिक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भो
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यिक्तियों में से किसी क्यिक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसम प्रमुक्त झम्बों भीर पदों का, जो उक्त प्रविनियम के भव्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

# घनुसूची

भूमि और घर, प्लाट सं० 58, ब्लाक 20, बेंकटरसनम नगर, प्रडयार, मब्रास-20।

> श्रो० स्नानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेज II, मद्राम ।

तारीख: 21-2-79

मोहरः

प्रस्य आई० दो० एव०एस०-----

- भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 289थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देण सं० 122/जून/78—यतः मुझे ओ० ग्रानन्तराम आयकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्पये से मिक्क है

श्रौर जिसकी सं०,.....

.....है, जो अतीयन्दल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, एस० आर्र० औ० सबूत मद्रास (डाक सं० 587/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-6-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रिक्ष है भीर प्रस्तरक (श्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रक्रितियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविधा के किए; धौर/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब, उक्त भ्रष्तिनयम की धारा 269-त के धनुसरण में में, उक्त भ्रष्तिनियम, की धारा 269-व की उपभारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत् :--- 1. श्री जय कुमार रामव्या।

(ग्रन्सरक)

2. श्री पी • ग्रमरेसन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तहरी खा से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

# ग्रमुसूची

Property situate at Athiyandhal village in Survey Nos. 41/2; 41/5; & 41/6 & 42/1 including Wells, Pumpsets and 60 year old Rice Mill building situate therein.

ग्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीम रंज II, मन्नाग ।

तारीख: 21-2-79

प्रक्ष धाई • टी • एन • एस • ----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज∏, मद्रास

मद्रास, दिनाक 22, फरवरी 1979

निर्देण सं० 6346--यतः मुझे ग्रो० ग्रानन्दराम भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्षि, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट 4 है, जो डी० के० ग्रार० कालोनी मद्रास-95 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम (डाक सं० 1636/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंश के सिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिन्न है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नामिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से इचित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्रम के ग्रधीन कर बेने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीद/मा
- (ण) ऐसी किसी आय या किया घत या घर ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर पिछितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधितियम, या छन-कर पिछितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः श्रम, उक्त आंत्रस्थित की वारा 269-गंक सनुसरण में, में, उक्त श्रीवित्यमं की बाणां 269-वंकी उपवारा(1) के श्राचीन, निवन्तिवित व्यक्तियों, श्रमति:—— श्री ग्रार० सूमती।

(प्रन्तरक)

2. श्री एम० सम्पत कुमार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो कर कर्ज़िमा साति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा आक्षेत्र .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र नें प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भगें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूचो**

प्लाट सं० 4. जाफरकानपेट डी० के० ग्रार० कालोनी, मद्रास-95 में।

> श्रो० श्रानन्वराम सक्षम श्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), चर्जन रोज II, मद्रास ।

तारीख: 22-2-79

प्रकप भाई • टी • एन • एस • -----

आयकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ॥, मद्राम

मद्राम, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 6347—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर् सम्पत्ति, जिसका उच्ति बाजार मूल्य 25,000/• २० से प्रधिक है

र० से प्रिष्ठिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3 है, जो ई० के० श्रार० कालोनी
मद्रास-95 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण
प्रथ से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कांडम्झाकम
(डाक सं० 1638/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 78
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम क वृष्यमान
प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूह्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे
वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और
धन्तरक (अन्तरकों) धौर प्रस्तरिती (धन्तरितयों) के
बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किस्त

- (६) अन्तरण संहुई किसी प्राय की बाबत, नवत अधिनियम, के पधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तस वचने में सुविधा के लिए। भौर/मा
- (था) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त मधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसद्ध में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) क ग्रधीन निकालिकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री ग्रार० रमेण

(श्रन्तरक)

2. श्री एम० नारायन नायर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उबत घितियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं घर्ष होगा को उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 3 ई० को० ग्रार० कालोनी जाफरकानपेट मदास-95 में।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज II, मन्नास

विनाक: 22 परवरी 1979

प्रकप बाई॰ टी • एव • एस • -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भन्नीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजार्रा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 6348---यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम पश्चिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत शिक्षितियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- इ॰ से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट 2 है, जो ई० के० भ्रार० कालोनी मद्रास-95 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम (डाक० सं० 1639/78) में भारतीय रस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन, तारीख जुन 78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञास करने का कारण है कि यदापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुहब, उसके पृथ्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविभ है और धन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी आय की वाबत उच्त प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के ध्रस्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपानें में स्विधा के लिए:

भतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपवारा (1) के प्रश्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. श्रीमती स्रार० सूजाता

(प्रस्तरक)

2. श्री के० बीजयन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्भक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, को भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा मखेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्धों भीर पवों का, जो उक्त भिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 2, ई० के० ग्रार० कालोनी, जाफरकानपट, मदास-95 में।

> श्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 22-2-79

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के प्रधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज II, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979ू

निर्देश सं० 8252—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 358/3 है तथा जो मुगप्पम ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमबट्टूर (डाक्स्मेंट सं० 713/78) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख को जून 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
इप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ध्रिष्ठित्यम के ध्रिष्ठीन कर देने के ध्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
  - (क) ऐसी किसी माम या किसी बन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिप्तियम या धन-कर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, मन, उन्त मिन्नियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उन्त मिन्नियम की धारा 269-म की उपबारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- सर्वश्री पी० श्रोम, कन्नमा, पी० एम० जानिकरामय,
   पी० एम० वलराम, पी० एस० नारायनस्वामी।
   (भ्रन्तरक)
- 2. श्री नवीन चन्द्रा ग्रार० मेता।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिये एतद्दारा कार्ययाहियां सुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बद्दी ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# यमुसूची

भूमि एस० सं० 358/3, मुगप्पम ग्राम (डाक्रूमेंट सं० 713/78)।

> श्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रार्यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 24-2-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्राय कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-ष (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्राम

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 8252—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम् श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधक है

ग्रौर जिमकी सं० एस० सं० 362/2 है, तथा जो मुगप्पम ग्राम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमबट्टर (डाक्स्मेन्ट सं० 714/78) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1978

(1908 का 16) क प्रधान, ताराख जून 1978
में पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों)
भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:---

- सर्वश्री पी० श्रोम कन्तैया, पी० एस० जानकिराम, पी० एस० बालयन, पी० एए० नान्यनस्तामी । (श्रन्तरक)
- 2. श्री एम० सी० स्वामी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूवता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तश्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का जो उक्त ग्रिश्चितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुत्ची

भूमि — एस० स० 362/2, स० 81, मुगप्पम ग्राम (डाकुमेन्ट सं० 714/78) ।

श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 24-2-79

प्ररूप आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्राम, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देण सं० 8252—यतः मुझे ग्रो० ग्रानन्दराम भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० सं० 362/1 है तथा जो सं० 81, मगण्यम ग्राम में स्थित है (स्रौर इसमे उपावद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय स्रमबट्ट्र डाक्मेन्ट सं० 715/78) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जूत 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हा मे किया नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्सिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—1—516GJ/78

- 1. मर्वश्री पी० ओम कन्नैया, पी० एम० जानकीराम पी० एम० बालयन धौर पी० एम० नारायनस्वामी (भ्रन्तरक)
- 2 श्री यिनबराज श्रौर रोहिट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याम में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि एग० सं० 362/1, मुगप्पम ग्राम (डाक्मेन्ट म० 715/78)।

स्रो० ग्रानन्दराम मक्षम ग्रश्चिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-U, मन्नास

नारीख: 24-2-79

# प्ररूप धाई०टी० एन० प्रर•~-

# भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । चा 269 च (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, मद्रास मद्राम, दिनौंक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 8252—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दै कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- ४० से भश्चिक है,

श्रौर जिसकी सं० एम० सं० 360/1 श्रौर 361/2 है तथा जो सं० 81, मुगप्पम ग्राम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रमवट्टूर (डाक्स्मेन्ट सं० 716/78) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1978 को

पूर्वोक्त मम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तयपाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विखित में वास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रन्तरंग से हुई किसी प्राप की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरंक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय ब्रायकर भिष्ठिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिन्यम, या घन-कर भिष्ठिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अधा मन, उक्स मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निकासिका व्यक्तियों, अर्थात् ——

- सर्वश्री पी० ग्रोम कश्नैय, पी० एस० जानिकराम, पी० एस० बालयन, पी० एस० नारायनस्त्रामी। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती सिभिटिया फ्रानिसिस्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितब बिक्सी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोह्नस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीचश्य:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पक्षों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रड्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि एस० सं० 360/1 और 361/2 सं० 81 मुगप्पम ग्राम (डाक्मेन्ट सं०• 716/78) ।

स्रो० श्रानन्दराम मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज II, मद्राम

दिनांक : 24 फरवरी 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 8252-थतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एम० मं० ,363, 360/2 श्रीर 361/1 है तथा जो मं० 81, मुगण्यम ग्राम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रमबद्दूर (डाकूमन्ट सं० 717/78) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्नविक कप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपीत्:---

- 1. सर्वश्री पी० जे० कन्नैया, पी० एस० जानकीराम, पी० एस० नारायनस्वामी। (अन्तरक)
- 2. श्री एम० फानसिस।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबढ़
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

भूमि एस० सं० 363, 360/2 म्रौर 361/1 सं० 81, मुगण्यम, ग्राम (डाक्सेन्ट सं० 717/78)।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक लायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 24-2-79

प्ररूप प्राई० टी० एन॰ एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 6523--यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम, श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रधिनियम' कहा गया इसके पश्चात 'उक्त की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है, भ्रौर जिसकी सं० 4 है तथा जो बिषप नालरम भ्रवेनयू (वैसट) मेलापूर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारथ (डाकुमेन्ट सं० 2243/78) में, राजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मुल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्नियम, के भभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (श्व) ऐसी किसी द्राय या किसी वन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिमिनियम, या श्वन कर ग्रिमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मतः प्रव, उन्त मिधनियम की घारा 269 ग के मनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अभीज निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैंसर्स ईनिडियन मिशनरी सोसाइटी। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स पी० एस० गोविन्द राव ग्रीर श्रसोसियेटस। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उनत सम्पति के प्रजीन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध,
  जो भी श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर
  पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकारी के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—सं० 4 विषय वालरस श्रवेन्यू (वेसट), मैलापूर, मब्रास (डाक्सेन्ट सं० 2243/78)।

> श्रो० श्रानन्वराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 24-4-79

परुष हाई। हो। एतः एसः---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का: 43) की धारा 269-घं (1) के मधीन मुचना

मारत भरकार

कार्योलय, महायक अध्यक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्राय

गद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 6486—मतः मुझे, स्रो० स्नानन्दराम, भायकर स्रिविनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्त स्थितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के स्रिवीन मध्यम अधिकारी को पह विन्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूह्य 25,000/- क से स्रिविक है

ग्रीर जिसकी सं० 5, ह तथा जो रामस्वामी पिललें स्ट्रीट, पुरमवाककम, मद्राग में स्थित है (श्रीर इभरो उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण एप से विणत ह), रिजन्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पुरम्पालकम मद्राम (इन्ह्रमेन्ट मं० 630/78) में, रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुन 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफक के लिए शन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण े कि यथा किंतित समानि का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान परिकल से ऐसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अकारक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती-(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख अन्तर्भ से अन्तर अन्तरण निश्चित में वास्त्रिक क्य से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) शन्तरम भ हुँ किया आधानी बाजन उक्त प्रक्ति-तियम ने धर्धीन कर देंगे के प्रस्तरक के दायिरण में कमी करन या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी अन्य या किसी धन या धन्य धास्तियों को अन्हें, भारतीय धायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्त प्रधितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनायं घन्दरिता द्वारा भन्ट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिये;

अतः श्रम् उदन प्रधिनियम् की घारा 269-ग के **ममुसरण** में, में, उत्तत प्रधिनियय की घारा 269-य की **सपक्षारा (1)** के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---  सर्वश्री जी ० विवेकानंदन, जी ० केसवन, जी ० जगठीसन जी ० कुमरन, जी ० पाँठुरंगन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० श्रार० फातिमा बी०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अनंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी क्र में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्य कितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजी कत व्यक्तिय से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 हिन के भीतर उनत रथावर सम्पत्ति में हिन कर किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---६मम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बज़ी धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# प्रनुस<del>ूची</del>

भूमि और निर्माण गं० 5, रामस्वामी पिलवै स्ट्रीट, पुरसवा-क्कम, मद्राम (डाकूमेंट सं० 630/78) । श्रो० श्रानन्दराम,

जार जातियात, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 24-2-79

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-अ (1) के प्रधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-[[, मद्राम

मद्रास, दिनांक 23 फरवरी 1979

निदेश मं० 6397—यतः मुझे, ग्रो० श्रानन्दराम ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत ने श्रविक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय को बाबत, जक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रिष्ठीन, कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ण) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के जिए;

धतः धव, उनत धिविनयम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत मिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) से धावीन निम्नलिखित व्यक्तियों भयीत्ः—

1. श्री ए० मनोहरन।

(अन्त¥कं)

2. मैंसर्स श्रमोसीयेटङ सी० फूडस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- उसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

2. 90 एकड़ भूमि, नीलन्करे गांव, चीनगवपट जिला में ।

घो० घानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-2-79

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एम०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी ए/एम आर हवेली 1/जून 78/432— यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-

से प्रधिक है

श्रौर जिसकी संज सीटी नर्वे क 1940 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अश्विकारी के कार्यालय, नब रिजस्ट्रार हवेली I में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 7 जुन, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बत्जार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
   के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
   करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा, 269 ग के ध्रनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :——

- (1) श्री रबोन्द्रकुमार चंदुलाल महा (2) श्री रणजित कुमार चंदुलाल महा 468, न्यू भदाभिवपेठ, पूना-30 (अन्तरक)
- (2) नारायणदाम दत्तात्रयदाम बृटाला 69, बृधवार पेठ, पूता-2 अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेत:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्स व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

प्रापटों : सी टी सर्वे ऋ० 1940, न्यू मदाशिय पेठ पूना 30 क्षेत्रफल :-195 वर्ग मीटर्स

(जैसे कि रिजस्ट्रीझन विलेख क्र०1339 विनौंक 7-6-78 को सब रिजस्ट्रार हवेली I के दफ्तर में लिखा है)

> श्रीमती पी ला**लवानी** सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 16-3-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

य्रर्जन रेंज भटिंडा कार्यालय भटिंडा, दिनाक 9 मार्च, 1979

निर्देश सं० ए०पी०528/78-79/जीएनएस—यतः मुझे पी० एन० मलिक भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है). की धारा

इसके पश्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ॰ से ग्रिधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गुरु हर सहायक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरु हरसहाय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त मिश्रिनयम' के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रदः श्रद, सक्त श्रिष्ठिनयम, की धारा 269-म के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की कप-धारा (1) के श्रद्धीन निव्यक्तिकित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 श्री रात लाच पुत्र नरैन दास वासी जलालाबाद फिरोजपुर (ग्रन्तरक)
  - श्री श्रणनी कृरि पुत्र श्रोम प्रकाल वासी मंडी गुरु हरसहाल ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैमा कि नं 2 में है। (वह व्यिक्ति, जिसक अधिमोग में सम्पत्ति है)
- 4 श्री/श्रीमनी/कुमारी जो सम्यत्ति में स्वी रखता है। (वह व्यवित, जिनके बारे में श्रवोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्बक्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका नम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वद्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त प्रव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रह्मण 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस ग्रह्माय में स्थित गया है।

# अनुसूची

नानक बौक गुरु हरमहाए में एक दुकान जैसा कि विलेख नं 845 जुलाई 1978 रिजस्ट्री हती अधिकारी गुरु हरमहाए में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी महाभक्त भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भटिंडा

तारीख: 9-3-79

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi-110011, the 1st March 1979

No. A. 12019/5/74-Adm. II.—The Chairman, Union Public Service, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an ad hoc basis as Senior Analyst for the period from 1-3-1979 to 31-5-1979, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an ex-cadre post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance OM No. F. 10(24)-E-III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

B. N. SOM Deputy Secy., for Secy.

Union Public Service Commission.

# New Delhi-110011, the 1st March 1979

No. A. 12026/1/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service, hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an ad hoc basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for the period from 2-3-1979 to 31-5-1979, or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM
Dy. Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 16th February 1979

No. A.32014/1/79-Admu. HI—The President is pleased appoint the following premanent Assistants of the C. S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on an ad hoc basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is caller:

S. No,	Name	Period for which pro- moted
1. Sh	ri B. R. Basra	for a period from 2-2-79 to 31-3-79
2. Sh	ri N.M.L. Bhatnagar	for a period from 5-279 to 31-3-79.
3. Sh	nri K. P. Iyer .	. for a further period from 17-2-79 to 28-2-79.
4. Sł	ri M. N. Arora	tor a period from 5-2-79 (0 22-3-79)
5. Sh	ri R. P. Sharma	for a period from 5-2-79 to 22-3-79.

# The 24th February 1979

No. A. 11016/1/76-Admn. III—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the C. S. S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for the period indicated against each or until further orders, which ever is earlier.

S. No.	Name	Period appointe	
1. Shri	G. P. Saxena	15-2-79 t 29-2-1980	
2. Shri	R. N. Khurana	1-3-1979 t 29-2-1980	
3, Shri 1	B. S. Kapur	1-3-1979 t 29-2-1980	
4. Shri.	J. P. Goel	1-3-1979 t 29-2-1980	
5. Shri	S. Srinivasan	1-3-1979 to 29-2-1980	
6. Shri	D, P. Roy	1-3-1979 t 29-2-1980	

2. The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/-per month in addition to their grade pay as Section Officer, for the period they perform the duties of Desk Officer, in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O. M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

S. BALACHANDRAN Under Secy, (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL,

# CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 28th February 1979

No. O.II-1083/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. V. Srinivasa Rao, GDO; Grade-II of Base Hospital-II, CRPF, Hyderabad with effect from the afternoon of 27th November, 1978.

### The 1st March 1979

No. O.II-1431/79-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Major Sewa Sangh (Retd) as Asstt. Commandant in the CRPF until further orders.

2. Major Sewa Singh took over charge of the post of Assit. Commandant AWS- $\Pi$  CRPF Rampur on the forenoon of 1st February, 1979.

# The 2nd March 1979

No. O. II-1335/76-Estt.—Consequent on the expiry of the period of his re-employment, Major Jagsir Singh handed over charge of the post of Dy. S.P. O.C. AWS-II, CRPF, Rampur on the afternoon of 18th February, 1979.

# The 5th March 1979

No. O. II-760/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. (Mrs) Bertha D'Souza, GDO; Grade-II (Dy.S.P./Coy, Comdr.) as GDO; Grade-I (Asstt. Comdt.) in the CRP Force with effect from 16-2-1979 (F.N.) until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm)

# DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

# CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th March 1979

No. K-8/65-Ad. V.—Shri Kailash Narain, Senior Public Establishment, expired on 17th February, 1979.
Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Special Police

RIPDAMAN SINGH Administrative Officer (A) Central Bureau of Investigation

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 19th February 1979

No. F-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer Shri N. I.. Gupta assumed the charge of the post of Assit. Commandant (JAO). Fastern Zone HQrs., CISF, Calcutta w.e.f. the afternoon of 18th Jan., 1979.

No. E-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer to Goa, Shri B. A. Devaya, relinquished the charge of the post of Asstt.

Commandant (JAO), Eastern Zone HQrs. CISF, Calcutta w.e.f. the afternoon of 31st Jan, 1979.

## The 27th February 1979

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Haldin Shrí R. K. Dixit assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit BCCL Jharia w.c.f. the forenoon of 5th Feb., 1979.

Sd. ILLEGIBLE Inspector General/CISF

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi-110011, the 3rd Murch 1979

No. 10 12/78-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number doted 13-9-1978, the President is pleased to extend the term of appointment of Shri R. L. Puri, Console Operator in the office of the Registrar General, India at New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office on purely temporary and ad hoc basis for a further period of four months with effect from 1 March 1979 upto 30 June, 1979 or until further orders, whichever is earlier. The headquarters of Shri Puri continue to be at New Delhi.

2. The above mentioned ad hoc appointment will not hestow upon Shri Puri any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director (Programme). The services rendered by him on ad hoc basis as Assistant Director (Programme) will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority at any time without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

### MINISTRY OF FINANCE

# (DFPARTMENT OF FCONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 27th February 1979

No. BNP/C/5/79.—Shri D. R. Mansingh, permanent Junior Supervisor (Mechanical) 13 promoted on regular basis to officiate as Assistant Engineer (Mechanical) in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Bank Note Press, Dewas with effect form 27-2-1979 (F.N.) until further orders.

P. S. SHIVARAM General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEFARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 28th February 1979

No. Admn. I/O.O. No. 570/5-5/Promotion/78-79/2441.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri P. R. P. Panikkar a permanent Accounts Officer of this office will retire from service of the Government of India, with effect from the afternoon of 28th February, 1979.

His date of birth is 1-3-1921.

No. Admn. I/O.O.-571/5-5/Promotion/78-79/2443.—Shri S. L. Melhotra officiating Accounts Officer of this office shall retire voluntarily from service of the Govt. of India, with effect from the afternoon of 28th February, 1979, after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of G.I., M. of H.A.O.M. No. 25013/7/77-Fstt (A) dated 26-8-1977.

2. Shri Malhotra entered Govt, service on 25-4-49 and his date of birth is 5-10-1928.

### The 7th March 1979

No. Admn. I/O.O.-599/5-5/Promotion/78-79/2538.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent

Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200/- with effect from the afternoon of 27th February, 1979, until further orders:—

1. Shri Himat Jit Singh.

St. Deputy Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS, POSTAL Kapurthala, the 21st February 1979

O.O. No. Admn/A-VI/Discip/Kewal Singh/698.—Shri Kewal Singh son of Shri Swaran Chand previously Sorter of this office had been on unauthorised absence since 31-7-78 and failed to acknowledge receipt of any of the memorandi issued to him at his known addresses. After following the necessary disciplinary proceedings under the departmental rules, it was decided to remove him from service with effect from 20-12-78 (FN) and the order of his removal from service was sent to him at his available addresses in the office. As the registered covers containing the order of removal of the official from service sent to him at his available addresses has been received back undelivered, it is hereby notified that the said Shri Kewal Singh Sorter son of Shri Swaran Chand stands removed from service with effect from 20-12-1978 (Forencon).

K. C. PABBY, Accounts Officer. Office of the Director of Accounts (Postal) Kapurthala-14460!

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 6th February 1979

No. Admn.I/IAD/5(115-Vol. III)/13.—Shri J. I., D'Souza officiating Accounts Officer of this office is deemed to have retired from Government service w.e.f. 1-10-78 F.N. under Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972 read with Ministry of Finance O.M. No. 44(1)-EV/71 dated 13-4-73, consequent on his permanent absorption in Mazgaon Dock Itd., Bombay, from the same date.

The Ministry of Finance has conveved the sanction to the permanent absorption of Shri J. L. D'Souza. Accounts Officer in Mazagon Dock Ltd. Bombay with effect from 1-10-78 F.N. on the terms and conditions communicated with C. & A.G's office d.o. letted no. 239-GF-II/99-78 dated 25-1-79.

J. CHAUDHURI. Sr. Dy. Accountant General/Admn.

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENE RAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 2nd March 1979

No. 18132/AN-II (PC)/78—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service in Level II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250 125/2-2500) of that Service in a substantive capacity with effect from the dates shown against them:—

Sl. Name of the Officer No.			Date from which appointed		
1. Shri S. K. Sundaram					1-1-1977
2. Shri K. Aravamudan				-	2-2-1977
3. Shri K. Padmanabhan					1-12-1977
4. Shri P. C. Thomas					1-5-1978
5. Shri S. Swaminathan			,		12-5-1978
6. Shri P. K. Ramanujam					1-11-1978
7. Shri R. L. Bakhshi	٠				1-11-1978

R. L. BAKSHI.

Addl-Controller General of Defence Accounts (A.N.)

# MINISTRY OF DEFENCE

# DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIFS INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcuta, the 28th February 1979

#### CORRIGENDUM

No. 8/G/79.—Entries against Scrial No. 1 of the Gazette Notification No. 44/74/G, dated 21-10-1974 may be substituted as under:—

(1) Shri P. D. Joshi, Pt. Manager, 8th July, 1974 (Under next below Rule').

V. K. MEHTA. Assistant Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 24th February 1979

No. A-19018/347/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Ravi Kapoor as Deputy Director (Metallurgy) in Small Industries Service Institute, Nagpur in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-2-1979, until further orders.

# The 27th February 1979

No. 12(158)/61-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri H. P. Gaur, Deputy Director (Metallurgy), Small Industries Service Institute, Ahmedabad, as Director (Grade II) (Metallurgy) in the Small Industry Development Organisation on ad hoc basis with effect from the forenoon of 5th February, 1979.

2. Consequent upon his appointment, Shri H. P. Gaur, relinquished charge of the post of Deputy Director (Metallurgy) in Small Industries Service Institute, Ahmedabad on the afternoon of 23rd January, 1979 and assumed charge as Director (Grade II) (Metallurgy) in the Regional Testing Centre, Calcutta, on the forenoon of 5th February, 1979.

M. P. GUPTA. Dy. Director (Admn.)

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY BOTANICAL SURVEY OF INDIA

Howrah-711103, the 28th August 1978

No. BSI-66/111/78-Estt.—On recommendation of the Union Public Service Commission, the Director, Botanical Survey of India, is pleased to appoint Shri Sri Krishna Murti. Sr. Scientific Asstt. Northern Circle, Botanical Survey of India, to the post of Botanist (Gr. B) Hqts. Botanical Survey of India on a pay of Rs. 650/- in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus usual allowances as admissible under rules with effect from the forenoon of 14-8-78 until further orders.

R. N. HALDER, Administrative Officer.

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th February 1979

No. 2/31/60-SH.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. D. Gupta, A.O. High Power Transmitter, Khampur to officiate as Senior A.O. at All India Radio, New Delhi with effect from 15-1-79.

Sh. Gupta, Senior A.O., All India Radio, New Delhi has retired from Govt. Service with effect from 30-1-79 after attaining the age of superannuation.

S. V. SESHADRI.
Deputy Director of Administration
For Director General

#### New Delhi-1, the 2nd March 1979

No. 6(63)/62-SL.—Shri V. A. Kurian, Programme Executive, All India Radio, Calicut retired from service w.e.t. fine afternoon of 31st January, 1979 on attaining the age of superannuation.

No. 5(63)/67-St,—The Director-General, All India Radio hereby appoints Shii S. N. Jha, Transmission Executive, All India Radio, Darbhanga as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from 7th February, 1979 and until further orders.

H. D. KHERA, Deputy Director of Administration, for Director General.

# DIRECTORAT GENERAL: DOORDARSHAN New Delbi-1, the 1st March 1979

No. A-19012/33/76-SH.—The Director General, Doordanshan hereby accepts the resignation of Shri P. K. Shukla, Asstt. Engineer, Doordarshan Kendra, Raipur with effect from 17th February, 1979 (AN).

C. L. ARYA,
Dy. Directorate of Administration
for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

# DIRECTORATE OF ADVERTIRING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 2nd January 1979

No. A-19012/1.78-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Swarn Singh Moti to officiate as Chief Modeller in this Directorate at New Delhi with effect from 15th December, 1978 (A.N.) until further orders.

# The 5th March 1979

No. A-31014/1/74-Estt.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri H. J. Kathar temporary Field Exhibition Officer in substantive capacity in the post of Field Exhibition Officer in this Directorate with effect from 5-12-78.

R. DEVASAR,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th February 1979

No A.12034/13/78-D.—The Director General of Health Services is pleased to relieve Shri O. Krishna Rao, Drugs Inspector in the office of the Deputy Drugs Controller (India), East Zone, Calcutta to enable him to take up his new assignment as Assistant Development Commissioner (Drugs) in the Organisation of the Development Commissioner (Drugs) in the Deptt. of Chemicals and Fertilizers of the Ministry of Petroleum Chemicals & Fertilizers, New Delhi on the afternion of the 9th February, 1979.

#### The 5th March 1979

No. A.12026/8/78-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. K. Bandyopadhyay to the post of Technical Officer in the office of the Technical Officer, Central Drugs Standard Control Orgn., Visakhapatnam on a purely temporary basis, with effect from the afternoon of the 17th Feb., 1979 and until further orders.

R. BALASUBRAMANYAN, Deputy Drugs Controller (India) for Director General of Health Services.

#### New Delhi, the 1st March 1979

No. A,19019/4/79-CGHS-I.—On transfer Dr. H. C. Bansal relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician, C.G.H.S., Nagpur on the afternoon of the 3rd February, 1979 and assumed charge of the same post in the CGHS, New Delhi on the forenoon of the 5th February, 1979.

Dy. Director Admn. (CGHS)

#### New Delhi, the 3rd March 1979

No. A.12025/34/76(AIIHPH) Admn.1,—The President is pleased to appoint Smt. Kalyani Biswas, Lecturer College of Nursing, Calcutta to the post of Assistant Professor of Midwifery Nursing at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 3rd February, 1979, on temporary basis and until further orders.

No. A.12026/8/79(NMEP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shii S. R. Sharma, Research Officer, Ministry of Health & Family Welfare to the post of Deputy Assistant Director (Assessment) (Group 'A') on an ad-hoc basis at the National Malaria Eradication Programme Directorate Delhi, with effect from the forenoon of 29th January, 1979 and until further orders.

Consequent on the appointment of Shri S. R. Sharma to the post of Deputy Assistant Director (Assessment) at the National Malaria Eradication Programme, Directorate Delhi, Shri Shanti Sarup, relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Assessment) at the National Malaria Eradication Programme, Directorate Delhi, with effect from the forenoon of 29th January, 1979.

S. L. KUTHIALA.
Deputy Director Administration (O&M)

# MINISTRY OF FOOD AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 1st March 1979

No. F.5-81/79-Estt.(1).—On reaching the age of superannuation, Shri G. D. Gulati, officiating Superintendent (Gr. 1), Group 'B' (Gazetted) in the Directorate of Extension, Department, of Agriculture, Ministry of Agriculture and Irrigation retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February 1979.

B. N. CHADHA, Director of Administration

# (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 28th February 1979

No. A.19025/3/79-A.III.--On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Sital Chandra Sarkar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Guntur with effect from the 8th Feb. 1979, until further orders.

B. L. MANIHAR.
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

# The 1st March 1979

No. A.31014/7/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint Shri Satya Murty substantively to the permanent post of Assit. Marketing Officer (Group-III) in the Die, of Marketing and Inspection w.e.f. 18-6-67.

No. A.31014/7/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint Shii T. Sabhnani substantively to the permanent post of Marketing Development Officer (Cold Storage Retrigeration) in the Directorate of Marketing & Inspection, w.e.i. 25-11-78.

B. L. MANIHAR, Director of Administration

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

### PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 17th January 1979

No. G/1040/Estt.II/286.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Narayanaswamy Gokarnesan, a permanent Section Officer, Central Railway as Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre, with effect from the forenoon of January 1, 1979.

#### The 6th February 1979

No. 5/1/79-Estt, II/579—Controller, Bhabha Atomic Research Centro appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Accounts Officer for the period shown against their names:—

Sl. Name & Designa-	Appointed to officiate as	Peri	od
No, tion	Officiate as	From	To
1. Shri F. D'Souza	Asstt, Accounts	1-8-78	30-1-79
Asstt. Accountant	Officer	(FN)	(AN)
2. Shri T. K. Rama- moorthy, Asstt. Accounatant	Asstt, Accounts officers	9-10-78 (FN)	10-11-78 (AN)
3. Smt. S. P. Meherjee	Asstr. Accounts	2-9-78	3 1-1-79
Asstt. Accountant	Officer	(AN)	(AN)
4. Smt. M. P. Gidwani	Asstt. Accounts Officer	23-8-78	30-12-78
Asstt. Accountant		(FN)	(AN)

# Tho 7th February 1979

No. 5/1/79-Esti. II/586—Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Security Officer in this Research Centre for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Desig-	Appointed to officiate as	Perio	d
			From	To
	ri T.C. R. Kutty itt. Secrity Officer	Security Officer	1-11-78 (FN)	30-12-78 (AN)
A	ri D. N. Pradhan sstt. Security ficor.	Security Officer	3-12-78 (FN)	12-1-79 (AN)

# The 17th February 1979

No. Ref. 5/1 '78-Estt.II '701.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri S. D. Bhonsale, Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on an ad-hoc basis for the period from 15-11-1978 to 16-12-1978.

M. S. RAO. Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 28th February 1979

No. DPS/23(4)/77-Est./6544.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated July 18, 1978. Director, Purchase and Stores appoints Shri S. N. Deshmukh, Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer on an adhoc basis in the same Directorate for a further period upto October 10, 1978 (AN).

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

# RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 19th February 1979

No. RAPP/Rect./3(2)/79/S/614.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleasd to appoint the following non-gazetted Technical staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each in the same Project, in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders:

5. No., Name & Designation, Post to which appointed & Date on which assumed charge.

- 1. Shri Ashok Kumar Sharma, SAC, Scientific Officer/Engineer Grade SB, 1-8-1978.
- 2. Shri Dilip Kumar Sisodia, SAC, Scientific Othicet/ Engineer Grade SB, 1-8-1978.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

# (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 26th February 1979

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Ram Nath, Accountant of the Atomic Minerals Division, as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 2nd November, 1978 (forenoon) to 8th December, 1978 vice Shri B. K. Tewani, Assistant Personnel Officer, granted leave.

# The 1st March 1979

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Lachhmi Narain, Assistant in Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division purely on adhoc basis with effect from the forenoon of 1-11-1978 to 31-12-1978 vice Shri D. R. Tuli appointed as Administrative Officer-II.

Sr. Administrative & Accounts Officer

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th March 1979

No. E(1) 03890.—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Srinivasan, officiating Assistant Meteorologist, office of the Director. Regional Meteorological Centre, Bombay. India Meteorological Department retired from the Government service with effect from the alternoon of 31-1-1979.

G. R. GUPTA.
Meteorologist
for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th February 1979

No. A.38013/1/78-ES.—Shri L. C. Sharma, Store Officer in the Central Radio Stores Depot, New Delhi, relinquished charge of his office on 31-1-1979 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

# New Delhi, the 22nd February 1979

No. A-39013/2/79-EA.—The President has been pleased to accept the resignation from Government service of Shri Kamal Kant, Aerodrome Officer, Bombay Airport, Bombay with effect from the 6th February, 1979 (AN).

H. L. KOHLI. Director of Administration

#### New Delhi-the 27th February 1979

No. A. 12025/1/78-E.C.—The entries against S. No. 3 of this Department Notification No. A. 12025/1/78-EC. dated 16-1-79 are amended to read as under:—

3. Shri T. N. Venkata-ramana, Communication Officer. Communication Acro. Comm.	SI. No.	Name & Designation	Station of posting	Date of taking over charge
Stn. Madras.	ra	mana, Communication	Communication	

S. D. SHARMA, Dy. Director of Administration

# New Delhi, the 28th February 1979

No. A.32013/14/78-EA.—The President has been pleased to appoint Shri T. R. Chandramouli, Asstt. Director (Operations) to the post of Deputy Director/Controller of Aerodromes, in the Air Routes & Aerodrome Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 27th February 1979 and until further orders.

2. Shri Chandramouli is posted as Deputy Director (Training & Licensing) at Headquarters.

## The 2nd March 1979

No. A-32013/15/78-EA.—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers to the post of Senior Aerodrome Officer in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from the 1st February 1979, and until further orders.

S. No.	Name	Station of posting.
<u>-ī</u>	Shri H. W. Ambler.	Civil Aviation Training
		Centre, Bamrauli [Allahabad]
2.	Shri Kripa Shanker	Office of the Regional Director,
		Delhi Region, Safdarjung Air-
		port, New Delhi.

V. V. JOHRI. Assit. Director of Administration

# OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd March 1979

No. 1/315/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M, V. Rao, Super-

visor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 12th January, 1979 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/409/70-Est.— The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri R. R. Nalkur, Permanent Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch, for the period from 1-12-78 to 30-12-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy, on ad-hoc basis.

No. 1/477/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Arun Jot Malhotta, as Assistant Engineer in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of 31st January, 1979 and until further orders.

P. K. G. NAYAR, Director (Admn.) for Director General

### Bombay, the 3rd March 1979

No. 1/242, 79-Est.—Shri S. K. Sengupta, Assistant Administrative Officer, Calcutta Branch, retired from service on attaining superannuation on the afternoon of the 31st January, 1979.

H. L. MALHOTRA, Deputy Director (Admn.) for Director General.

# FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

#### Dehra Dun, the 5th March 1979

No. 16 201/71-Ests-I.—On the expiry of his term of deputation the services of Shri L. G. Kulkarni, Asstt. Instructor, Central Forest Rangers College. Chandrapur have been replaced at the disposal of the Government of Maharashtra with effect from the forenoon of 16-1-79.

GURDIAL MOHAN, Registrar, Forest Research Institute & Colleges.

# COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

# Kanpur, the 8th February 1979

No. 8/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector Central Excise, Kanpur's Fstt. Order No. I/A//1978 dated 9-1-78 issued under endt, C. No. II-22-Fstt/78/44 dated 9-1-78, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, Shri Chheda Lal Dubey took over the charge of Supdt., Central Excise, I.D.O., Farrukhabad in the forenoon 16-1-78.

K. L. REKHI. Collector

# Patna, the 1st March 1979

No. II(7)2-ET/79/2286—In pursuance of Ministry of Finance's order No. 171/78 and 172/78 dated 27.10.78 and 28.10.78 respectively issued under F.No. A-22012/20/78-Ad. II (Vol.III) and F.No.A. 22012/26/78-Ad. II, the following Superintendents of Custom and Central Excise, Group 'A' has assumed charge as Assistant Collector as indicated below:—

S. No.	Name of officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1			3
	S/Shri		

1. U. C. Chatterjee

Asstt. Collector 27-11-78(F.N) Central Excise Dhanbad.

1 2	3	<u> </u>
2. M. f. Haque	Asstt. Collector, Central Excise, Gaya	17-11-78 (F.N.)
3. N. K. Boso	. Asstt. Collector, Contral Excise, Muzaffarpur	8-1-79 (F. N.) -

D. K. SARKAR Collector

# Indore, the 5th March 1979

No. 5/79.—Shri V. N. Bongirwar, Superintendent, Central Excise Group 'B' II Ranges, Ujjain in Madhya Pradesh Collectorate, Indore, having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 31st January, 1979.

No. 6/79—Consequent upon their promotion as Superintendent of Central Excise Group 'B' the following Inspectors (S. G.) of Central Excise have assumed their charges as Superintendents of Central Excise Group 'B' as shown' against their names:—

S. No. Name of Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
t. Shri R. S. Roel	Supdt. (Prev.) C. Ex. Hars. Office Indore.	14-2-79 A. N.
2. Shri V. K. Khandekar	Supdt. (Tech.) C. Ex. Divisional office, Ratlam.	22-2-79 F. N.
3. Shri V. A. Patki	Supdi. (Tech.) C. Ex. Divisional Officer, Ujitin.	17-2-79 F.N

M. S. BINDRA, Collector

# MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

#### Bombay-38, the 2nd March 1979

No. 11-TR(1)/79.—The President is pleased to appoint Shri Vijay Kishore as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Bombay in a temporary capacity, with effect from 1st January 1979 (forenoon) until further orders.

# The 3rd March 1979

No. 11-TR(2)/79.—The President is pleased to appoint Shri Ramesh Agnihotri, as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engg. Training, Calcutta, in a temporary capacity with effect from 19th December 1978 (FN) until further orders.

K. S. SIDHU, Dy. Director General of Shipping

### CENTRAL WATER COMMISSION

#### New Delhi, the 1st March 1979

In pursuance of order No. C-13012.75, 76-CM&V, dated 27-12-78, Shri R. C. Kashyap, Extra Assistant Director has been removed from service with effect from the afternoon of 27-12-78.

J. K. SAHA, Under Secretary, Central Water Commission Chakravarty)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

## New Delhi, the February 1979

No 27-E/C(34)/77-EC-11.—In supercession to this effice Notification of even number dt. 9th August 1978, the date of Superannuation of Shri M. Chakravarty (Maheswar Chakravarty) may please by treated as under on the grounds that according to the entry in service book the date of both of Shi Chakravarty is 1st January, 1920.

Name	Date of birth	Designation at the time of retire-
		ment
Shri M. Chakra	varty 1-1-1920 31-1	durveyor of Works,

S. S. P. RAU, Director of Admn., for Director General--Works

P. W. D.

Itanagar-791110

Chief

Fugineer, Arunachal Pradesh

New

### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 20th February 1979

No. 5.—Shri Sewa Singh, an officer of IRSME Northern Railway retired finally from Railway Service from 14-1-73

S. N. SACHDEV, General Manager

#### New Delhi, the 1st March 1979

No. 7.—Shri D. N. Narula, (Released Emergency Commissioned Officer) Ex. PA/CSO in Class II Service of the Railway Protection Force; (Security Department) Northern Railway is confirmed in Class II service in that department of this Railway with effect from 16-11-78.

> R. S. ROY. Chief Security Offices

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY **AFFAIRS**

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Guru Ramdass Financiers & Chit Fund Co. Private Limited.

# Jullundur, the 3rd March 1979

No. G/Stat/560/3133/12846.—Notice is hereby pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gurn Ramdass Financiers & Chit Fund Co. Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Flourishing Hire-Purchase Finance & Chit Fund Private Limited.

# Jullundur, the 3rd March 1979

No. G/Stat/560/2886/12848.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the

date hereof the name of the Flourishing Hire-Purchase & Chit Fund Private limited, unless cause is shown to the con-trary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> S. P. TAYAL. Registrar of Companies Punjab, H. P. & Chandigarh

# OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-4000 20, the 26th February 1979

No. F.48-Ad(AT)/78.P.II.—Shri R. K. Ghosh, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months w.e.f. 16-8-1978 to 15-11-1978 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/78-P.II, dated this office and subrequently continued in the same separative 22-8-1978 and subsequently continued in the same capacity for a further period w.c.f. 16-11-1978 to 28-2-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/78,P.H. dated 6-11-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on ad-hoc basis for a further period of three months w.e.t. 1-3-1979 to 31-5-1979 or till the post is filled on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C., whichever is carlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. K. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to the next higher grade.

P. D. MATHUR, President

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 24th Feburary 1979

### Income Tax

F. No. IUR-DLI/III/78-79/46443—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the authorities. this behalf and in modification of earlier orders on the subject the commissioner of Income-tax, Delhi-III. New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Incometax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Income or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the I. T. Os of the District/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule :-

# SCHEDULE

#### Income-tax District/Circles. Name of the Range 1. Cases of the Districts and Circles 1. Inspecting Assistant of this charge already as signed to 1. A. C. u/s. 125 of the 1. Counissioner of Income-itax, Range-IV-D, New Delhi. 2. Districts-XI(1) and XI (2). 3. Special Circle-XIV, N. Delhi. Districts-V(11), VIII(3), VIII(5), (14), VIII(15), 2. Inspecting Assistant V(12) VIII(13), VIII X(3), X(11), Commissioner of VIII( Income-tax, Range-IV-E, (14), (14), VIII(15), X(3), X(11), Special Circle-VI, Special Circle-New Delhi. VI, Addl., Special Circle-X, Special Circle XVI, New Delhi T. R.O. X New Delhi.

This order shall take effect from 24th February, 1979.

A. C. JAÍN Commissioner of Income-tax Delhi-III, New Delhi

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th March 1979

Ref. No. AP-529/78-7./AMB.—Wherens, I P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. as per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Abohar on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhagwan Kaur wd/o Sh. Jai Singh R/o Abohar,
  - (Transferor)
- (2) Sh. Bhoj Raj S/o Sh. Banwari Lal, R/o Fazilka Road, Abohar.

(Transferor)

- (3) As per S. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A shop situated on City-Road, Abohar as mentioned in sale deed No. 918 of July, 1978 registered with the Sub-Registrar, Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 9-3-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAN ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1979

Ref. No. A-207/KMJ/78-79/69136-44,---Whereas, I. R. N. BARA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Holding No. 139 of Ward No. 21 situated at Karimganj Town, Pargana Kushiar Kul, Mouza Banamali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karimgani on 19-6-78

for an apparent consideration

which is less than the falr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) S/Shri

1. Hazi Passaddar Ali 2. Abdul Matin alias N

Abdul Matin alias Motion Rahman Abdul Malik

4. Md. Sayed Ali 5. Abdul Khaleque 6. Abdul Hague

Musti, Fahamme Begum W/o Late Hazi Asaddar Ali Village Banamali, P.O. Karimganj (Cachar).

(Transferor)

(2) Shri Pradip Kumar Roy, Roy Nagar, Karimgani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A plot of land measuring 3 Katha along with an old house of assam type measuring an area of 750 sq. ft, situated at Fast Bazar, Karimganj in the district of Cachar (Assam).

R. N. BAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Shillong.

Date: 6-2-1979

Seal:

13-516 GI/78

FORM ITNS----

(1) Md. Tafazzal Ali Laskar, Silchar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Abha Rani Saha, W/o Shri Paresh Ch. Saha Central Road, Silchar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1979

Ref. No. A-208/Sel/78-79/641-9-50,---Whereas, I, R. N. BARA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS Patta No. 222 of Dag No. 2709 situated at Pargana Barakpar, Mouza Silchar Town, Itkhola, Dist. Cachar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 29-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A plot of vacant land measuring Ten Katha (Bengalı) situated at Itkhola, Silchar in the district of Cachar (Assam).

R. N. BARA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong.

Date: 27-2-1979

(1) Shri Anil Krishna Banik, Premtala, Silchar.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nripendra Narayan Banik, Nazirpatty, Silchar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1979

Ref. No. A-209/Sel/78-79/64155-56.—Whereas, 1, R. N. BARA,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Inocme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

RS Patta No. 546, 599 & 595 Dag No. 5088, 3908 3907 & 5089 situated at Pargana Barakpur, Mouza Silchar Town, Dist. Cachar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Silchar on 21-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aircesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A plot of vacant land measuring 9½ Ketha situated at Chincoori Road of Ambikapatty, Silchar in the District of Cachar (Assam).

R. N. BARA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 27-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1979

Ref. No. A-210/SIL/78-79/69161-62.—Whereas, 1, R. N. BARA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that having fair market value immovable property 11 exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS Patta No. 546, 599, 595, Dag No. 5088, 3908 3907 & 5089 situated a Pargana Barakpar, Mouza Silchar Town in the district of Cachar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 21-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: --

- (1) 1. Shri Pijush Kanti Deb Gupta S/o Late Naresh Chandra Deb Gupta Ambikapetty, Silchar.
  Present Address—
  Finance Department, Assam Sccretariat
  Dishput, Gauhati.
  Shri Priyetosh Deb Gupta
  Shri Paritosh Deb Gupta
  Shri Paritosh Deb Gupta

  - Smt. Nondita Purkayasthe Snit. Anika Dutta Gupta
  - Smt. Mamta Biswas Smt. Mondira Dutta
  - W//o L. Paresh Ch. Deb Gupta
    W//o L. Paresh Ch. Deb Gupta
    No. 2 to 9—Power of Attorney to
    Shri Pijush Kanti Deb Gupta.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Banik, Premtala, Silchar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act', shall have the same meaning as given Explanation: The terms and expressions in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of vacant land measuring 19 Katha situated at Chincoori Road of Ambikapatty, Silchar in the district of Cachar (Assam).

> R. N. BARA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong.

Date: 27-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/78-79/534.—Whereas, I. HARI SHANKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Bhadra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bhadra on 1-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) Nirmal Kumar S/o Shri Deep Chand Now R/o G.S. Road, Shillong (Meghalaya). (Transferor)
- (2) Shri Satya Narain S/o Shri Girdharilal Bhadru, Distt. Sriganganagar (Raj.) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of the house property situated in Ward No. 1, Bhadra and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Bhadra vide registration No. 392/ dated 1-6-1978

HARI SHANKER,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur.

Date: 7-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Japur, the 7th March 1979

Ref. No. Raj/tAC(Acq)/78-79/535.—Whereas, I, HARI SHANKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Bhadra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhadra on 1-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirmal Kumar S/o Shri Deep Chand Now R/o G.S. Shillong (Meghalaya).

(Transferor)

(2) Shri Girdharilal S/o Kanhiyalal, Bhadra Distt. Sriganganagar (Raj)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of the house property situated in Ward No. 1, Bhadra and much more fully described in the Sale Deed registered by S.R. Bhadra vide registration No. 394 dated 1-6-1978.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 7-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/125.---Whereas, I.

G. L. GAROO, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kothi No. 67 situated at Golden Avenue, Amritsār (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

22—506GI/78

(1) Shri B. M. Uppal, Advocate,
 S/o Shri Balwant Uppal,
 67 Golden Avenue, Head Water Works Road,
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok SinghS/o Shri Mela Singh4/32, Krishna Gali, Tarn Taran-Distr Amritsar

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Kothi No. 67 measuring 234 Sq. Meter situated in golden Avenue near Head Water Works Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1980 dated 31-9-78 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ref. No. ASR/78-79/126.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building at Guru Bazar, situated at Amritsur,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar City in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, '257 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kailash Vati d/o Shri Kidar Nath, 13A. Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(2) Shrimati Kamlesh Gulatı W/o Shri Manohar Lal Gulatı 13A, Rai-Ka-Bagh. Amritsar.

(Fransferor)

- (2) As at S. No 2 phove mentioned and renant(s) if any.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

9/70 share of building No. 14/4-1, 225, 257, 239/II, 970 to 972/II, at Guru Bazar, Amritsar vide Registered Deed No. 1921 dated 24-8-1978 as mentioned by the Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-3-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ref. No. ASR/78-79/127.—Whereas, 1, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

Building at Guru Bezar, situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar City in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Shukla Arora W/o Shri Kewal Arora, Kothi No. 63, Lawrance Road, Amtitsar. (Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Gulati W/o Shri Manohar Lal Gulati, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and Tenants(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

9/70th share of building No. 14/4-1, 255, 57, 58, 970 to 972, 7/4, Guru Bazar, Amritsar vide registered fleed No. 1922 dated 24-8-1978 as mentioned by the Registering Authority. Amritsar City.

G. J. GAROO, IRS.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range. Amritsar.

Date · 1-3-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMEN'T OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ret. No. ASR/78-79/128.-Whereas, I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building at Guru Bazar, situated at Amiliasar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Amritsar City in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Chanchal Sood W/o Shri Vas Dev Sood, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Gulati W/o Shri Manohar I al Gulati, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

9/70th share of building No. 14/4-1, 255, 257, 259, 970 to 972/II, at Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1923 dated 24-8-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

> G. L. GAROO, IRS, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tix, Acquisition Range, Amritsar.

Date · 1-3-1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ref. No. ASR/78-79/129.—Whereas, I. G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building at Guru Bazar, situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar City in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sulociana Bhandari W/o Shri Gurcharan Singh Bhandari 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Gulati W/o Shri Manohar Lal Gulati, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) it any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/7th share of building No. 14/4-I, 255, 257, 259, 970 to 972/II 4/8, at Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1976 dated 30-8-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ref. No. ASR/78-79, 130.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Building at Guru Bazar, situated at Annitsat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at American City in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Radha Schgal W/o Shri Madan Lal Sehgal, R/o 13 Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transeror)

(2) Shrimati Kamlesh Gulati W/o Shri Manohar Lal Gulati, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/7th share of a building No. 14/41, 255, 257, 259 and 778/4, No. 970 to 972/II at Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1977 dated 30-8-1978 of Registering Authority, Amritsar.

G. L. GAROO, IRS, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-3-1979

Sear:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ref. No. ASR/78-79/131.—Wherens, I, G. L. GAROO, IRS,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Building at Guru Bazar, situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in August, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shrimati Shashi Sindhwani
 W/o Shri Mahvir Singh through
 Smt. Chanchal Sood,
 13A, Rani-Ka-Bagh, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Gulati W/o Shri Manohar Lal Gulati, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sl. No. above mentionde and tenant(s) if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1//th share of building No. 14/4-1, 255, 157, 259, 778/II, 970 to 972 at Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1989 dated 31-8-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsan

Date: 1-3-1979

Seul:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ref. No. ASR/78-79/132.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Buildig at Guru Bazar, situated at Amritsar,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amerisar City in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Satya Ohri W/o Shri Raj Kumar Ohri, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Kamlesh Gulati W/o Shri Manohar Lal Gulati, 13A, Rai-Ka-Bagh, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/7th share of a building No. 255, 257, 14/4-1, 778/4, 970 to 972/II, Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1990 dated 31-8-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IPS, Competent Authority, Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st March 1979

Ref. No. ASR/78-79/133.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated Khasra No. 43 Ram Tirth Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
17—506GI/78

 S/Shri Balwinder Singh, Surinder Singh Ss/o S. Kishan Singh,
 Opp. Sawdeshi Mills Quarters,
 Ram Tirth Road, Amritsar.

(Transferor)

 Smt. Gurbachan Kaur W/o S. Joginder Singh 2/2, P.O.L., Area Near MES Power House, Amritsar Cantt.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 250, sqfl yds vide Khasra No. 43, situated at Ram Tirth Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1513 doted 20-7-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. I. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritear

Date: 1-3-1979

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th March 1979

Ref. No. PKT/78-79/134.--Whereas, I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agri. land 44-K-9 Marlas situated in village Bhao Teh.

Pathankot Distt. Gurdaspur

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pathankot in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :-

 Shri Achhru Mal S/o Shri Guta of village Bhao through Mukhtiar-i-am—Shri Kuldip Chand, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Banta Singh S/o Shri Mangal Singh, village Bhao Teh. Pathankot, Distř. Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivo persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44-K-9 Marlas in village Bhao which is nearly 18 kilometer from the Municipal limits of Pathankot and near Sunder Chech via Sarna vide Registered Deed No. 806 dated 22-6-1978 of Registering Authority, Pathankot Distt, Gurdaspur,

> G. L. GAROO, IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-3-1979

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th March 1979

Ref. No. PKT/78-79/135.—Whereas, I. G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land 68K-10 M situated at Vill, Gulpur Teh, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar City in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

15—516G1/78

 Shri Ghali Ram S/o Shri Sain Dass, V. Gulpur, Teh. Pathankot Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Behari Lal S/o Shri Punnu Ram and Shri Ramesh Kumar S/o Shri Behari Lal Village Mohlowali P.O. Ramal, Teh. Batala Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 68-Kanals 10 Marlas in village Gulpur nearly 12 Kilometres from Sarna Teh. Pathankot Distt. Gurdaspur as mentioned in the Registered Deed No. 546 dated 5-6-1978 of Registering Authority Pathankot, Distt. Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd December 1978

Ref. No. 10/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Thirmapuram Village, No.

Kaveripattinam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaveripattinam on 8-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri N. Parasuraman, S/o Irusanarayana Chetty, Palacode Road, Kaveripattinam.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chinnakutty,
2. Shri Govindan,
3. Smt. Peripulle,
4. Shri Chinnapaiyan;

5. Shri Parasuraman; &

Smt. Rajamma, Thinmapuram Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Buildings, One Rice Mill, Shed, Residential portions situated in Thimmapuram Village, Kaveripattinam, in Survey No. 401/112.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 2-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1978

Rcf. No. 98/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Resurvey No. 580/1 situated at Balamore, Kalkulam Village, Thiruvattar Tk, Kanyakumari Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Thiruvattar on 29th June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sved Yoosuf, S/o Sri Sheik Fareed, 25/5, Anchuvarnampalli, Street, Thuckaly.

(Transferor)

(2) Shri M. Chettiappan MSMM Chettiappan. S/o MSMM Meyyappa Chr. 78, Adyar Club Gate Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

5 Acres 48 cents of land in Resurvey No. 580/1 situated at Balamore, (Ponmanai) Surulacode—New Village, Kalkulam Village, Thiruvattar Tk., Kanyakumari District.

O. ANANDARAM. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 12-12-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1978

Rcf. No. 99/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Balamore, Kalkulam Village, Thiruvattar Tk., Kanyakumari Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvattar (Document No. 1240/78 on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Minor Mythcen Peer Mohammed, By Gdn. Syed Yusuff, 25/5, Anchuvannam Palli Street, Thuckalay.

(Transferor)

 Smt. Umayal Chettiyappan, D/o Narayanan Chettiar, 78, Adyar Club Gate Road, Madras-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5 acres 48 cents of land situate at (Ponmanni) Surula-code—New Village, Kalkulam Tk., Thiruvattar, Kanyakumari District,

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 12-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1978

Ref. No. 100/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating situated at (Ponmani) Surulacode New Village, Kanyakumari District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvattor (Docum, at No. 1240/78) on 29-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Minor Mytheen Peer Mohammed, By Gdn. Syed Yusuff, 25/5, Anchuvannam Palli Street, Thuckalay.

(Transferor)

(2) Smt. Umayal Chettiyappan, 78, Adyar Club Gate Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

5.48 acres of lands at (Ponmani) Surulacode New Village, Kanyakumari District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 12-12-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Minor Ekeen Mohamed By fr. & grn. Syed Yusuff, 25/5, Anchuvannam Palli Street, Thuckalay.

(2) Smt. Umayal Chettiyappan, 78, Adyar Club Gate Road, Madras-28. (Transferor)

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1978

Rel. No. 101/Junc/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at (Ponmani) Surulacode New Village, Kanyakumari District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Thirtwattar (Document No. 1241/78) on 29th uIne 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

5.48 acres of lands situated at (Ponmani) Surulacode New Village, Kanyakumari District,

O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 12-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1978

Ref. No. 3/June/78,—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing. No. No. 108-A (New No. 195) situated at Poonamallee High Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet (Document No. 527/78) on 3rd June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persome marmely 1 ---

(1) Smt. D. Chamundeswari, 108-A, Poonamallee High Roda, Madras-10.

(Transferor)

(2) Minors:

1. C. Nuzhath Thasneem: 2. C. Aadil Ahmed; 3. Nuzrath Bathool; &

4. C. Asima Zehra;

By Gdn. & Fr. Shri C. Mohammed Akbar, 14. Banghi Khader Basha Sahib Street, Ambur, North Arcot District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at No. 108-A, New No. 195, Poonamallee High Road, Madras-10.

> O. ANANDARAM. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-12-1977

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th December 1978

Rcf. No. 45/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10, situated at Bunder Street, Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Document No. 246/78) on 19th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. Batakrishna Na'dn, 45, Edward Elliots Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) M/s. Packer Press, 10 and 11-A Bunder Street, Madras-1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explicit later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ī and & Buildings at No. 10. Punder Street, Madras-1,

O. ANANDARAM.

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 16-12-1978

LORM TINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMPATAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th December 1978

Ref. No. 82 June /78.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 80 (New No. 21) situated at Armenian Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Document No. 2208/78) on 19-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

16--516GI/78

the object of :--

(1) Mrs. Fathima Saltan, W/o M. C. Isphani, 94, Poonamalle High Road, Madras.

(Transferor)

(2) I. Shri Saifuddin Akberlay Bhagat;

Shri Saituddin Akberlay Bhagat;
 Akberbhai Saifuddin Bhagat;
 Shri Amirbhai Saifuddin Bhagat;
 Shri Hashimbhai Saifuddin Bhagat;
 Shri Abu Taiyeb Saifuddin Bhagat;
 Shri Hussainybhai Saifuddin Bhagat;
 Shri Saleembhai Saifuddin Bhagat;
 Shri Mohamedi Bhai Saifuddin Bhagat;
 Shri Mohamedi Bhai Saifuddin Bhagat;
 Shri Mohamedi Bhai Saifuddin Bhagat;

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground and Premises, bearing Door No. 80 (New No. 21), Armenian Street, Madras-1 comprised in R.S. No. 4740; O.S. No. 859; C. C. No. 5960 measuring 1 ground and 762

O. ANANDARAM. Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madras-6.

Date: 16-12-1978

Scol:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th December 1978

Ref. No. 89/Junc/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 16C/2 situated at F. F. Road, Ward No. 37, South Well St., Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

DR. Madurai (Document No. 1638/78) on 8th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing ine concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri R. Kaliappan,
 S/o S. Ramasamy Nadar,
 4-D, Nadar Vidyasalai Street,
 South Veli Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri S. Sekar,
 S/o K. A. Sangaiya,
 8. Draviam Pillai Hospital Lane,
 Pillavarapalayam Road,
 Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Buildings, situated at No. 16C/2, FF Road, New Ward No. 37, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commission of income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 20-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th December 1978

Ref. No. 91/June/78.—Whereas, 1, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 16C/2 situated at Nadar Vidyasalai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at DR, Madurai (Document No. 1639/78) on 5th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri R. Kaliappan,
 A-D, Nadar Vidyasalai Street,
 South Veli Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Snit. S. Valarmathi,
 W/o S. Sekar,
 8. Draviyam Pillai Hospital Lane,
 Pillayarapulayam Road,
 Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Buildings at No. 16 C/2 Nadar Vidyasalai Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 20-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th December 1978

Ref. No. 103/Junc/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Iacome-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Swinton Estate. Yercaud, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 106/78) on 9th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri KN, K, S. KN. Chockalingam Chettiar,
   2. Shri S. Kannappan,
   3. Shri S. Chockalingam,
  - 4. Minor S. Somasundarum; & 5. Minor S. Senthilnathan, 146-A, North Masi Street, Madurai-1,

(Transferor)

(2) Shri A. Jagadeesh; & Shri A. Ganesh Raja Sappani, 2-A, Habib Sahib Road Lane, Fort, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 91.65 acres of Estate land as detailed below:

Name of the Village	New Patta No.	New Survey No.	Extent/ A. Conts.
Mundachedu	5	2/JA1	16.20
,,	5	2/1A2	13 · 85
,,	5	2/1/3	0.85
,,	5	2/1A4	18.56
**	5	2/1A5	22.30
,,	5	2/1A6	2 ·36
91	5	5/1	9.89
	6	6/1A	5.31
,,	б	6/10A	0.28
7.1	5	2/2	0.45
Solur	14	11	1 · 87
		Total -	91.65

Together with buildings, fixtures, curbs, trees, plants, hedges, fences, water, water courses, easements, rights and privileges.

O. ANANDARAM,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 20-1-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd January 1979

Ref. No. 62/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 21 situated at Jandrapilliai Koil Street, Washermannet, Madras-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Watrap (Document No. 561/78) on 15th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the any moneys or other assets which transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shii S. R. Guruswami, 9. Singara Garden Street, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Ramachandran & Bros. 21, Jandra Pilliar Koil Street, Madras-21.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Buildings at No. 21 Jandia Pillaiai Koil Street. Washermanpet, Madras-21.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 2-1-1979

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras,6, the 3rd January 1979

Ref. No. 85/June /78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6, 2/6 & 3/6 situated at Narayanappa Naicken Street, George Town, Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO II Madras North (Document No. 2366/78 on 27-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. S. Muthu Ahmed Sulaiman Nachia, W/o Shri S. E. Aboobucker, (by Power Agent) No. 60, Linghi Chetty Street, Madras 1.

 Smt. E. N. A. Mumthaz Begum, 22, Mannady Street, Madras1. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Buildings at Door Nos. 1/6, 2/6 & 3/6, Narayanappa Naicken Street, Muthialpet, Madras-1.

O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 3-1-1979

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras,6, the 3rd January 1979

Ref. No. 110/June/78.-Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 34 situated at Pachai Nachiamman Koil Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pudumandapam (Document No. 1057/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri M. Ramaswami @ Ponnumuthu, Supervisory Clerk, Electricity Department, Corporation of Madurai, Madurai:
  - Minor Rajendran by fr. & gdn. Sl. No. 1 & 3. Smt. P. Sornammal, W/o Sl. No. 1.
     All residing at No. 34, Pachai Nachiamman Koil St.,

Pudumandapam. Madurai Town.

(Transferor)

(2) Shri S. Doraisami Nadar,
 S/o Shanmugha Nadar,
 No. 2Λ, Old Punjaimettu Street,
 South Veli Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Buildings at No. 34, Pachai Nachiamman Koil Street, Madurai Town.

> O. ANANDARAM. Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 3-1-1979

[PART III—SEC. 1

### FORM ITNS

1) Miss Lalitha Natasiah, Hazelwood, Coonooi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Topur Sambasivan Nagarajan, 777, Double Road, Indiranagar, Bangalore-560 038.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 15th January 1979

Ref. No. 4712.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 608 situated at Coonoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cooner (Doc. No. 664/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building situate at R. S. No. 608 at Coonoor, (Doc. No. 664/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority.
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-1-79

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME- TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 11th January 1979

Ref. No 4727.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 84-B1 (RS No. 2647/3) situated at Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ootacamund (Doc. No. 779/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17-516GI/78

(1) Smt. Kempammal W/o Sri C. V. Kullappa Chettiar, Chamarajanagar, Mysore State.

(Transferor)

(2) S/Shri

1. K. Chevana Gowder, S/o Kakka Maistry,

2. C. Kalimuthu S/o K. Chevana Gowder

3. H. K. Jogheo Gowder S/o Kakka Maistry

4. I. Karchan S/o H. K. Joghee Gowder

 H. K. Bellie Gowder S/o Kakka Maistry

6. Bojan

S/o H. K. Bellie Gowder

7. Minor Sivalingam

8. Minor Krishnamurthy

Minor Kannan,
 All Ss/o H. K. Bellie Gowder,
 Represented by their father and guardian,
 H. K. Bellie Gowder,
 S/o Kakka Gowder

10. K. Kada Gowder, S/o Kakka Maistry

11. Arumugham S/o K. Kada Gowder

12. Minor Mani

 Minor Manoharan Ss/o K. Kada Gowder rep. by their father & guardian

K. Kada Gowder Kuruthukuli, Nanjanad Village, P.O. Nanjanad The Nilgiris.

(Transferee )

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 2647/3 (Door No. 84-R1) Ootacamud (Doc. No. 779/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Athority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 11-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri N. B. Ramachandran;
 Shri N. R. Venkatesan;
 Shri N. R. Chandrasekharan,
 Kandar Hostel Road, Gandhi Nagar,
 Namakkal, Salem District.

(Transferor)

(2) Smt. M. Ambika, W/o Shri Maranna Gr., No. 20, Kandar Hostel Rd. Namakkal, Salem District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGI-1, MADRAS-6

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 43/June/78. Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bering

No. 20 situated at Kandar Hostel Road, Gandhi Nagar, Namakkal

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Namakkal (Document No. 399/78) on 30-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at No. 20 Kandar Hostel Road, Gandhi Nagar, Namakkal, Salem District.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras 6.

Date: 19-1-1979

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd February 1979

Ref. No. 4744.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S.F. No. 568 situated at Seerapolayam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbator (Doc. No. 842/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mouli & Sons Engineer's (P) Ltd. 43, Rajaji Road, Coimbatore 641 009

(Transferor)

(2) The General Electric Co. of India Ltd. 6, Chittaranjan Avenue, Calcutta-700 072

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building S.F. No. 568, Seerapalayam Village, (Doc. No. 842/78)

O. ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Madras-6.

Date 2-2-1979 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd February 1979

Ref. No. 4744.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marekt value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. No. 568/1, 5/4 69/1 situated a Seerapalayam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatot (Doc. No. 843/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. K. Chandra Mouli,
 S/o Kalyanasundaram Iyer,
 43. Rajaji Road, Coimbatore-641 009.

(Transferor)

(2) The General Electric Company of India Ltd. No. 6, Chittaranjan Avenue, Calcutta-700 072.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at S.F. Nos. 568/1 and 569/1 Seerapalayam Village.
(Doc. No. 843/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 2-2-1979

#### FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd February 1979

Ref. No. 4707.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to an the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Blichi Village situated at (S.F. No. 93/1, 567, 568/2, 561/1, 562/1 and 563)

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 222/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Lar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. K. Velumani, 2. K. Ramesh, S/o P. R. Kandaswamy Bharathi Paik Road, Coimbatore-11.

(Transferor)

(2) I. S. Rangaswamy, 2. S. Palaniswamy,
3. S. Nanjukutty, 4. S. Chinnaswamy,
5. S. Nataraj
S/o Subbannagounder
Chinnamathampalayam, No. 5, Bilichi Village,
Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Agricultural lands in S.F. No. 93/1, 567, 568/2 561/1, 562/1 and 563 at No. 5 Bilichi Village, Coimbatore Tk. (Doc. No. 222/78)

O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 2-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd February 1979

Ref. No. 4749.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 105/1, 105/2, 105/3 situated at 104/1C2 (Chinnamalai Fistate) Nadugani, Devala Village, Gudalur Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gudalur (Doc. No. 522/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Thomas P. Samuel, Kanampurathukudiyil House 'Sam Date', Thottathil Lane, East Fort, Trichur-5, Kerala

(Transferor)

(2) S. Murugesu,65, N.G.O.'s Colony,Rajaram Mehta Nagar, Madras-29.

(Transferee)

(3) S. Murugesu, 65, N.G.O.'s colony, Madras-29.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

l and in S. Nos 104/1C2, 105/1, 105/2, 105/3 Chinnamalai Estate, Nadugani, Devala (P) Gudalur Tk. Nilgiris Dt. (Doc. No. 522/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 2-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd February 1979

Ref. No. 4762.-- Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

GS No. 130/3, 134/1 situated at Gudalur, Coimbatore Tk. (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc No. 1819/78 on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility
  of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Super Springs Ltd. 21 Tea Estate Compound, Race Course Combatore.

(Transferor)

(2) Kovil Patty Lakshmi Roller Flour Mills (P) Ltd. Gengai Kondan Village, Tirunelveli Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein—as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in GS. No. 130/3, 134/1, Gudalur Village Coimbatore Tk. (Doc. No. 1819/78)

O. ANANDARAM.
Competent Authority.
Ispecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Magras,

Date: 2-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd February 1979

Ref. No. 4732.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S.F. No. 61.1 (Site No. 6), situated at Viswanathan Luyout

Lakshmipuram Uppilipalayam Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Singanallyr (Doc. No. 475/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) P. Alagesan S/o Parvathy Muthu Nadar, D. No. 141, D.B. Road, Coimbatore 2.

(Transferor)

(2) R. Chinnaswamy S/o V. S. Raju Naidu 7, Lakshmipuram, Uppilipulayam Village Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at S.F. No. 61/1 (Site No. 6) Viswanathan Layout. Lakshmipuram Uppilipalayam Village. (Doc. No. 475/78)

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras,

Date: 2-2-1979

#### FORM ITNS ------

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras, the 6th February 1979

Ref. No. 57/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/sand bearing No.——situated at Pallapatty Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Nagalnaickenpatti (Document No. 791/78) on 12th June 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income parising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
18—516GI/78

 Smt. Jamruth Begum, W/o. Shri K. Ahmed Badsha,
 Natharshan Street, Begumbur, Dindigul.

(Transferor)

(2) M/s. R. S. & Sons, 44, Halls Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3.642 acres of land & a small shed-building therein situate at Pallapatty village near Dindigul.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras 6

Date: 6-2-1979

(1) Smt. S. Jayammal, 185, Thambu Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

 Sint, P. N. Gnanasundarammal, Pathipotti village, Gummudipoondi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras, the 6th February 1979

Ref. No. 12/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 185, situated at Thambu Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, Madras (Document No. 2380, 78) on 29-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

½ share in the property situate at No. 185, Thambu Chetty Street, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 6-2-1979

#### \_\_\_

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Komalavalli, 185, Thambu Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. B. Bhuvaneswari, 128, Sanjivarayan Street, Madras-21.

(Transferen)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras, the 6th February 1979

Ref. No. 13/July/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 185, situated at Thambu Chetty Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Madras (Document No. 2381/78) on 29-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

i share in Land & Buildings situate at No. 185, Thambu Chetty Street, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-o

Date: 6-2-1979

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th February 1979

Rcf No. 8256.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 1637. 1, situated at 1637/2/2, 1637/2 & 1640 & 3<sup>3</sup>/2 Abhishekarakkam, Pondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pondichetry (Doc. No. 1043/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Indirani, Venkatapathy, Annappan, Ramachandran, Purushothaman, Devanathan, Lakshminarayana Reddiar, S/o. Venkatapathy Reddiar, Abhishekapakkam, Pondicherry-7.

(Transferor)

(8) Smt. Gangabai, W/o Subbarayalu Abhishckapakkam, Pondicherry-7.

(Transferce)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at S. Nos. 1637 1, 1637/2, 1637/2/2, 1640 and 34/2, Abhashekapakkam, Pondicherry (Doc. No. 1043 78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 7-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th February 1979

Ref. No. 849.--Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing No. 11 (Plot No. 195), situated at Third Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Office, at at Saidapet, Madras (Doc. No. 647/78) on June 1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) K. S. Ramu, Flat No. 2, Shri Vishnu Baug, Cooperative Housing Society, Chaturshringe Road, Poona.

Transferor

(2) Madras Institute of Development Studies 74 Second Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Biulding at No. 11, (Plot No. 195) Third Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20 (Doc. No. 647-78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 7-2-1979

#### FORM J.T.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th Debruary 1979

Ref No. 4715.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 17-8-5 (Half share), situated at Chickadasampalayam, Avanashi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 911/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pa ytax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising rom the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) R. Venkatramani, S/o, M. V. Ramachandra Naidu, 131, Coimbatore Road, Mettupalayam-641301.

(Transferor)

(2) K. Ponnammal W/o. C. Keppiah Chettiar, 3/55, New Extension, Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and biulding at 17-8-5. Chickadasampalayam Avanashi Taluk (Hall share) (Doc. No. 911/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-II, Madras-600006

Date: 7-2-1979

(1) R. Radhakrishnan 5.0, M. V. Ramachandra Naidu. 131. Coimbatore Road, Metrupalayam-641301. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) C. Keppiah Chettiar, 3:55, New Extension, Mettupalayam.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006

Madrns-600006, the 7th February 1979

Ref. No. 4715.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 17-8-5, (Half share), situated at Chickadasampalayam, Avanishi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Mettupalayam (Doc. No. 908/78) on June 1978 which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 17-8-5, Chickadasampalayam Avanashi Tk. (Half share) (Doc. No. 908/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600006

Date: 7-2-1979

 R. Balasubramaniam, S/o. K. A. Ramak ishnan Vinayagaputam, Tiruppur.

(Transition)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S. Savithri, W/o. Subramaniam Staff Nurse, Government Hospital, Erode. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Madras-600006, the 7th February 1979

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref No. 4738.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at Mill Road 1st St., Thiruppur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Thiruppur (Doc. No. 1196/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state! in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building at 28, Mill Road 1st St., Thiruppur. (Doc. No. 1196/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 2690' of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1979 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th February 1979

Ref. No. 4760. - Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, at Thiyagaraya New St., Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Coimbatore (Doc. No. 1755/78 on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) N. S. Nataraja Chettiai S/o. Nalamma Subramania Chettiar (2) Dr. N. Thirugmanam and (3) N. Shanmughaprakash S o N. S. Nataraja Chettiar 23, Fast Sambandam Road, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferor)
- (2) P. Kamalam & Dhanammal W. o. N. Krisimaswami Chettiai, 25/57, Pillaiyai Koil Lane, Rangai Gowder St. Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 1, Thlyagaraya New St., Coimbatore (Doc. No. 1755/78).

O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madra--600006

Date: 7-2-1979

Seal:

19--516GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th February 1979

Ref. No. 6318.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Y

No. 14, (New No. 6, 7, & 8), situated at Singara Mudali St., Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 567/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

S. Kabali, S. Kalpagam, S. Pattammal, S. Vani, 14, Singara Mudali St., Madras-17.

(Transferoil)

\_\_\_\_\_.

(2) D. Murugasam Pillai, Mangaiyarkarasi Siyaram Sethu, 82, South Car St., Chidambaram,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPL..NATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHFDULE

Land and building at No. 6, 7, & 8, Singara Mudali St. (Old No. 14) Madras-17 (Doc. No. 567/78).

> O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 7-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th February 1979

Ref. No. 8275.—Whereas, I O. ANANDARAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6, situated at Vivekanandar 1st St., Reddiyarpalayam, Uzhavarkarai Komyoon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ozhukkarai (Doc. No. 589/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of uny income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transfree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) P. Sadasivam, S/o. Venkatasubba Reddiar Mannadipatty Komyoon, Mannadipattu.

(Transferor)

(2) Dr. B. T. Vijayaraghavalu, S/o. B. Thulasingam Sowdhri, B, Vivekanada Nagar, Uzhavarkaraj Komyoon, Pondicherri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

l and and building at No. 6, Vivekananda Nagar, Uzhavar-karai Komyoon, Pondicherry (Doc. No. 589/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madras-600006

Date: 7-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th February 1979

Ref. No. 8274.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 26, Kasturba Nagar, situated at Thattanchavadi, Pondi-cherri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozbukkarai (Doc. No. 588 78) on lune 1978

# for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) T. F. Natesan, S/o. Ettynowthe, 26, Kasturba Nagar, Pondy-9.

(Transferor)

(2) V. Venkadassalame S. o. Visapattiram, 1/24, Maufamman Koil St., Veemakavowndanpalayam, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned -

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Land and building at No. 26, Kasturba Nagar, Phattan-chavady, Commune, Pondicherry (Doc. No. 588/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Madras-600006

Date :7-2-1979

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th February 1979

Ref. No. 8267.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS. No. 61.1 at Lappoliya St., Madhuralurakkalpatty, Pudupalayam, Cuddalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Cuddalore (Doc. No. 080/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M. Ramakrishnan, S/o. Madhava Iyer, 4A/4, Convent St. Pudupalayam, Cuddalore.

(Transferor)

 T. V. Subramania Mudaliar, S/o, T. Veerappa Mudaliar, Kurinchipadi, New Subramaniaswamy Koil St., No. 18,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 61/1, Lappoliya St., Pudupalayam, Cuddalore (Doc. No. 680/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 7-2-1979

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1, Shri K. M. Ghiasuddin; 2. Shri K. M. Azeemuddin; &

(1) Shri M. Kumaraswamy Naidu @ M. M. Kumar, 1/63-K, Luz Chuich Road,

(Traffsferor)

Shri K. M. Azeemuddin; &
 Shri K. M. Allaudin; &
 Group of the control of

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1979

Ref. No. 6334.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 139 to 141.

situated at Triplicane High Road & C.N.K. Road, Madras-5 (and more fully described in the Schedule amoved hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, Madras (Document No. 403/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Door Nos, 139 to 141, Shop Nos. 1 to 7, Triplicane High Road, & C.N.K. Road, Triplicane, Madras-5.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, 1/c
Madras-600 006

Date: 8-2 1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kamallemmal, W/o Kannan Chettiar, Mettupalayam, Tirupur.

(Transferor)

(2) Smt. Adhikariammal @ Bakkyalakshmi,
 W o Arumugha Gounder,
 Subramania Chettor Street,
 Tirupur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th February 1979

Ref. No. 4710.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at D.R., Tirupur (Document No. 905/78) on 2-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferce are the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Free Free The terms aid expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Buildings at No. 6. Kongunagar, 1st Street, Tirupur-2.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income tax,
Acquisition Range-II, i/c
Madras-600 006

Dated: 9-2-1979

(1) Shri Marappa Gounder, Tituput.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Tirupur Textiles (P) Ltd., Rep. by Shri C. D. Devarajan, M.D., Neyvelampalayam Village, Anupparaptalayampudur, Tirupur,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1979

Ref. No. 4737.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated No. 15 Velampalayam Village, Palladam Tk. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Tirupur Document No. 859/78) on 22-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections if, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

7.84 acres of agricultural lands, situated at No. 15 Velampalayam village, Palladam Tk

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. i'c
Madras-600 006

Date: 7-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th February 1979

Ref. No. 4757 -- Whereas J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing as per Schedule situated at Perumal Koil Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISRO III. Coimbatore (Document No. 1757/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(1) Smt. Thangammal and others. 20/78 to 82, Perumal Koil Street, Fort. Coimbatore.

(Transferors)

(2) Shri C. Kider /Mohammed, 7. East Lokamanya Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I and & Buildings, situated at T.S. No. 2/1310/1 & 1311, Perumal Koil Street, Coimbatore,

> O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, i/c Madras-600006.

Date · 9-2-1979

Seal:

20-516G1/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th February 1979

Ref. No. 58/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing land

situated of 97 No. Bodi Merku Malai Village Manappattipulam. Bodi Tk.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, Bodinayakanur (Document No. 1336/78) on 15th June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Narayanan,
 S/o N. L. Subburaja,
 Pappuraja Line,
 Allinagaram Town Panchayat,
 Theni, Periyakulam Tk.,
 Maduraj District.

(Transferors)

 Minor B. Graharajan, Rep. by futher & guardian
 Balakrishna Nadar,
 Spencer Compound, Dindigul Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

16.97 acres of agricultural lands, situated at 97 No. Bodi West Hill Village Manappattipulam, Bodiyayakanur Tk., Madurai District.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, i/c
Madras-6

Date: 13-2-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th February 1979

Ref. No. 59/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at No. 97, Bodi West Hill Village Manappattipulam, Bodi Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Bodinayakanur (Document No. 1337/78) on 14-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shii S. Janakaraja, S/o N. L. Subburaja, Timber Merchants, N.R.T. Nagar Road, Theni, Periyakulum Tk.
- (2) Shri S. Balakrishnan, C/o M/s Gopalakrishna Timbers, Sandy Road, Mettupatty. Dindigul.

Obejetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

11.81 acres of agricultural lands, situate at 97, No. Bodi West Hill Village Manappattipulam, Bodinayakanur Tk., Madurai District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 13-2-1979

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-6, the 13th February 1979

Ref. No. 61/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing No. land

situated at No. 97, Bodi West Hill Village Manappattipulam, Bodinayakanur Tk.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SRO, Bodinayakanur (Document No. 1344/78) on 15th June 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Janakaraja,
 S/o N. L. Subburaja,
 Pappuraja Line,
 Alli Nagaram Town Panchayat,
 Theni, Periyakulam Tk.,
 Madurai District.

(Transferor)

(2) Minor Senthilkumar,
 Rep. by father and gutardian
 S. Balakrishnan,
 43, Spencer Compound,
 Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

11.81 acres of agricultural lands, situate at 97 No. Bodi West Hill Village Manappattipulam, Bodi Tk., Madurai District.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, i/c
Madras-600 006

Dute: 13-2-1979

# PORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1979

Rel. No. 6351.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

4, situated at Sriman Srinavasa Lyongar Road, Alwarpet, Madras-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Document No. 750/78) on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Zeenath Bibi & 8 others. 39, Jagunnathapuram, Velachery, Madras-42.

(Transferor)

Shri M. Murugesa Naicker & others,
 First Link Street,
 CIT Colony,
 Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & buildings, situate at No. 4, Sriman Srinivasa lyengar Road, Alwarpet, Madras-18.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, i/c
Madras-600 006

Date: 21-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1979

Ref. No. 6396.—Wheres I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 58, situated at Venkatacathnam Nagar, Adyar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saidapet (Document No. 958/78) on 22-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. R. Padmavathy, 21A, EVR Road, Tiruchirapalli-19.

(Transferor)

(2) Smt. R. Alamelu, No. 18 (new) Venkataratnani Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot & building at No. 58, Venkatantinam Nagar, Adyar, Madras-20.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, i/c
Madras-600 006

Date: 21-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-6, the 21st February 1979

Ref. No. 122/June/78.—Whereas I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 41/2; 41/5; 41/6 and 42/1 situated at Athiyandhal (and more fully described in the Schedule approved barreto)

situated at Athiyandhal (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at South Madras (Document No. 587/78) on 15-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayakumar, by gl. p/a Shri E. P. Rayappa, S/o Yagappa Rayappa, Athiyandhal.

(Transferor)

(2) Minor P. Amaresan, S/o Shri D. Pattusamy, by mother & gdn, Smt. P. Indirai Ammal, 70, Anaikatti Street, Tiruyannamtulai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property, situated at Athiyandhal village in Survey Nos. 41.2; 41/5; 41.6. & 42/1 including Wells, Pumpsets and 60 years old Rice Mill building situate therein.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Madrus-600 006

Date: 21-2-1979

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd February 1979

Ref. No. 6346.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1951) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No. 4, situated at E.K.R. NAGAR, Kodambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Kodambakkam (Document No. 1636/78) on June 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Minor R. Sumathi, Rep. by father & guardian Shri G. Rabindranath, 20-B, Gopalakrishna Road, T. Nagur, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri S. Sampath Kumar,8, Kamalabai Street,T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in Plot No. 4 in lay out L.A. 38 of 1960, situated at F.K.R. Colony, Block 86, Kodambakkam.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 22-2-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### Minor R. Ramesh, Rep. by father & guardian Shri G. Ravindranath, 20-B, Gopalakrishna Road, T. Nactir, Madras-17.

(Transferor)

 Shri M. Narayan Nair, 22, F. V. R. Colony, Jaffarkhanpet, Madras-95.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGF-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd February 1979

Ref. No. 6347.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, situated at Kodambakkam, EVR Colony, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, Kodambakkam (Document No. 1638/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-516GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 3, Block No. 86, situated at E.K.R. Colony', Kodambakkam village measuring 1 ground and 2100 sq. ft.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 22-2-1979

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd February 1979

Ref. No. 6348.—Whereas 1, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 2, situated at E.K.R. Colony, Kodambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Kodambakkam (Document No. 1639/78) on June 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Minor R. Sujatha, Rep. by father & guardian Shri G. Rabindranath, 20-B, Gopalakrishna Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri K. Vijayan, X-2, 4th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 2, measuring 1 ground and 2100 sq. ft. situate at E.K.R. Colony, Jaffarkanpet, Madras-95.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, i/c
Madras-600 006

Date: 22-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 8252.—Whereas I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 358/3, situated at Mugappam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambattur (Doc. No. 713/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. Y. Kanniah Naidu,
 P. S. Janakiram Naidu,
 P. S. Balaiyan Naidu,
 P. S. Narayanaswamy Naidu,
 74, Devaki Amman St., Madras-30.

(Transferors)

(2) Navinchandra R. Mehta, S/o R. Mehta, Mugappam Village, Shidapet Tk. Chingleput Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 358/3, Mugappam Village. (Doi. No. 713/78)

O. ANANDARAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 24-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) P. Y. Kanniah Naidu,
P. S. Janakiram Naidu,
P. S. Balayan Naidu,
P. S. Balanjan Naidu,
74, Devaki Amman St., Madras-30.

(Transferors)

S. C. Swamy
 S/o Chinnappa Sudaram,
 Mugappam Village,
 Saidapet Tk.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th February 1979

No. 8252 -- Whereas I, O. ANANDARAM, Ref. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing S. No. 362/2, situated at Mugappam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambattur (Dor No. 714/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 362/2, 81, Mugappam Village. (Doc. No. 714/78)

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 24-2-1979

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

P. Y. Kanniah Naidu,
 P. S. Janakiram Naidu,
 P. S. Balayan Naidu,
 P. S. Narayanaswamy Naidu,

P. S. Narayanaswamy Nudu, 74/1 Devaki Ammal St., Madras-30.

(Transferors)

(2) Inbaraj & Robit, Mugappam Village, Stridapet Tk.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 8252. Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (heremalter received to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 362/1, situated at 81. Mugappam Viliage (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registrang Officer at Ambattur (Doc. No. 715/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any fucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I and at S. No. 362/1, Mugappam Village, (Doc. No. 715/78)

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 24-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th February 1979

8252,—Whereas I, O. ANANDARAM, Ref. No. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 360/1 & 361/2, situated at 81, Mugamappam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambattur (Doc. No. 716/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Y. Kunniah Naidu,
P. S. Janakiram Naidu,
P. S. Balayan Naidu,
P. S. Narayanaswamy Naidu,
74/1 Devaki Ammal St., Madras-30,
Saidapet Tk,

(Transferor)

(2) Cicitia Francis,w/o Francis,81, Mugappam Village

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Uand at S. Nos. 360/1 & 361/2, 81, Mugappam Village. (Doc. No. 716/78)

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 24-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 8252.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 363, 360/2 & 361/2, situated at 81, Magappam Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambattur (Doc. No. 717/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

P. J. Kannjah Naidu,
 P. S. Janakiram Naidu,
 P. S. Balaiyan Naidu,

P. S. Narayanaswamy Naidu.

(Transferor)

 M. Francis S/o Late Mandavalli, 81, Mugappam Village, Saidapet Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. Nos. 363, 360/2 & 361/1, 81, Mugappam Village. (Doc. 60 717/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 24-2-1979

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OPPICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 6523.—Wherens, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Bishop Wallers Avenue (West), Mylapore, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2243/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Indian Missionary Society, Tirunelvell rep. by its General Secretary Rev. lasan S. Dharmaraj.

(Transferor)

(2) M/s. P. S. Govind Rao & Associates, 4, Bishop Wallers Avenue (West) Mylapore, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 4, Bishop Wallers Avenue (West) Mylapore, Madray.

(Doc. No. 2243/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 24-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 6486.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 5, situated at Ramaswamy Pillai St., Purasawalkam, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkom, Madras (Doc. No. 630/78 on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. Vivekanandan, G. Kesavan, G. Jegadeesan, G. Kumaran, G. Pandurangan, No. 5, Ramaswamy Pillai St., Purasawalkam, Madras.

(Transferor)

Peer Fathima Bi,
 Ramaswamy Pillai St.,
 Puraswalkam, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze te or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are degreed in Chapter XYA of the 'said Act', shall have the same meaning as given meaning that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 5, Ramaswamy Pillai St., Purasawalkam, Madras.

(Doc. No. 630/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Magnas.

Date: 24-2-1979

# FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd February 1979

Ref. No. 6397,—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Neelankarai Village, Chingleput District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Saidapet (Document No. 994/78) on 24th June 1978 for an apparent considertaion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shri A. Manoharan,
 S/o Appaiah Chetty,
 Main Road, Royapuram,
 Madras-13.

(Transferor)

 M/s. Associated Sea Foods, Puthanthura, Neendakara, Quilon, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

2.90 acres of dry lands situated at Neelankarai Village, Chingleput District.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date . 23-2-1979

"NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Ravindrakumar Chandulal Shah,
  - 2. Shri Ranjitkumar Chandulal Shah, 468, New Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferor)

(2) Shri Narayandas Dattatrayadas Butala, 69, Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-411005

Punc-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Havafi-I/June'78/432.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 1940 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 7-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- w(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1940, New Sadashiv Peth, Pune-30. Area: 195 Sq. mts. (Property as described in the sale deed registered under No. 1339 dated 7-6-78 in the office of the Sub-Registrar, Hayel-I. Pune).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th March 1979

Ref. No, AP--528/78-79/GHS.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule

situated at Guru Har Sahai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Guru Har Sahai on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rattan Lal S/o Sh. Narnin Dass, R/o Jalalabad (Ferozepur).

(Transferor)

(2) Sh. Ashni Kumar S/o Sh. Om Parkash, R/o Mandi Guru Har Sahi (Ferozepur).

(Transferor)

- (3) As per S. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said!

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A shop in Nank Chowk, Gutu Har Sahai as mentioned in sale deed No. 845 of July, 1978 registered with the Sub-Registrar, Gutu Har Sahai.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatiada.

Date: 9-3-1979